इब्रानियों, अध्याय छह [3]

सुप्रभात मित्रों। यहां पर होना सौभाग्य की बात है। और—और हमारे पास्टर से इस महान परिचय को पूरा करने के लिए निश्चित रूप से एक सच्चे जीवन की जरुरत है, क्या ऐसा नहीं है? इसलिए हम प्रभु की सभी महान चंगाई की सामर्थो और उसकी दया के लिए स्तुति देते हैं जो वो वर्षों–वर्षो से हमें देता आया है।

अब मुझे अभी कुछ घोषणाओ को करना हैं। एक, हम, भाई वुड और भाई रॉबरसन, और हम आप सभी को हमारे लिए प्रार्थना करने के लिए धन्यवाद देना चाहते हैं, एक सुरक्षित यात्रा के लिए। एक अद्भुत समय था; मैं सोचता हूं कि साढ़े चार दिन बीत गए, और फिर से सुरक्षित रूप से वापस आ गए। प्रभु ने हमें आशीष दी।

506 अब, हम घोषणा करते हैं कि भाई ग्राहम स्नेलिंग, उनकी बेदारी की सभा जारी है, वहां ऊपर उस—उस ब्रिघम एवेन्यू के अंत पर... यहां इस शहर में। और इस आने वाली बुधवार की रात... मैं कल जाना चाहता हूँ, एक जन की अंतिम संस्कार की सभा के बाद मैं कुछ क्षणों में घोषणा करूंगा। हम आपको बुधवार रात को बताएंगे। हम एक प्रतिनिधिमंडल में जाना चाहते हैं, भाई ग्राहम से भेंट करने के लिए, इससे पहले कि वह वहां अपनी सभा को समाप्त करें। और यदि हम कर सकते हैं, तो हम पूरी कलीसिया को एक साथ लाने की कोशिश करेंगे, और भेंट करने के लिए एक प्रतिनिधिमंडल के रूप में जाएंगे, भाई ग्राहम के साथ उनकी सभाओं में से एक सभा में होने के लिए।

507 और, अब, आज दोपहर चार्ल्सटाउन में—में मृतसंस्कार के प्रबन्ध करने वालो की स्थापना पर, जो—जो श्रीमती कोल्विन की है, जो एक समय बहुत वर्षो पहले यहां कलीसिया में आती थी, जो चौहत्तर वर्ष की हैं, प्रभु यीशु के साथ रहने के लिए कल इस जीवन को छोड़ दिया। और उनके अंतिम संस्कार का प्रचार सोमवार को आदरणीय श्रीमान मैककिनी के द्वारा किया जाना है, पहले के समय में, मेथोडिस्ट कलीसिया के पास्टर पोर्ट फुल्टन में—में कई वर्षों तक करते आये है, जो उनके एक गहरे मित्र थे। और मैं सोमवार को उनकी सहायता करने के लिए वहां पर रहूँगा, मैं

सोचता हूं कि यह उपासना घर में—में डेढ़ बजे है, चार्ल्सटाउन, इंडियाना में। और कोल्विन परिवार के आप सभी मित्र जन मैं जानता हूं, अब बस उन्हें थोड़ी हिम्मत देंगे या सराहना करेंगे... थोडा हाथ मिलाकर। क्योंकि हम सब जानते हैं कि यह क्या है, हम जो उन घाटियों में से होते हुए, हम खुद वहां नीचे रहे हैं, और जानते है कि एक मित्र को खोने का क्या मतलब होता है। और इसलिए हम... बहन को अब उपासना घर में—में रखा गया है, चार्ल्सटाउन, इंडियाना में। यदि आप आज दोपहर को वहां पर जाते हैं, क्यों, कोल्विन परिवार के द्वारा इसकी सराहना की जाएगी, मुझे यकीन है। उनके बहुत से लोग अब भी यहां आराधनालय में आते हैं। मैंने उनके विवाह करवाये है, दफनाया, बपतिस्मा दिया है, पूरी तरह से उनका परिवार बहुत ही मेरा करीबी रहा है। और वैसे ही श्रीमान ग्रेसन, जो ठीक यहां हमारे पड़ोसी हुआ करते थे, जो वहां पर जिम्मेदारी लेने वाले हैं।

508 और फिर यह, आज रात, प्रभु की इच्छा हुई, जहां हम आज सुबह रवाना होंगे, हम आज रात सभा को लेने की कोशिश करेंगे, इस महान अध्ययन में, जिसका हम अब अध्ययन कर रहे हैं। और फिर मैं सोचता हूं कि यह घोषणाएं थीं, जहाँ—जहाँ तक मैं—मैं समझता हूं। और इस आने वाली बुधवार की रात, अब, हम उस रात घोषणा करेंगे कि हम भाई ग्राहम के साथ होंगे।

509 और हम अपने द्वार पर सभी मेहमानों का स्वागत करते हैं। और हम आपको आज सुबह यहां पाकर खुश हैं, और प्रार्थना करते हैं कि परमेश्वर आज इस एकत्र होने के लिए आपको अधिकाई से, बहुतायत से आशीष देगा।

510 भाई कॉक्स ने मुझे अभी बताया कि सार्वजनिक रूप से संबोधित करने वाला उपकरण उस समय बहुत अच्छी तरह से काम नहीं कर रहा था। यह शायद, हो सकता है मौसम के अनुसार, वहां के स्पीकरो में बहुत नमी आ गयी है। और वे आरंभ से, इतने अच्छे नहीं हैं, इसलिए यह कारण हो सकता है।

511 जैसा कि मैं यहां एक बहन को बैठा हुआ देखता हूं जिसे मैं जानता हूं, बहन आर्गनब्राइट, मैं... यह सही और—और शिष्टाचार नहीं होगा, यह पूछना, लेकिन क्या आपने भाई अर्गनब्राइट से सुना है जब से उन्होंने समाप्त किया है? मुझे उनसे सुनने में बहुत दिलचस्पी है जितना जल्दी हम उनसे

सुन सकते है। वे स्विट्ज़रलैंड और जर्मनी में है, वहां पर भाई टॉमी हिक्स और पॉल कैन के साथ एक सभा में। यदि आप कभी भी सुनती हैं, बहन रूत, तो आप मुझे तुरंत बताएं, जितनी जल्दी आप बता सकती है।

512 अब, इस छोटे से आराधनालय के पास कोई सदस्यता नहीं है, लेकिन हमारे पास संगति है। हमारे पास मसीह के अलावा कोई मत–सिद्धांत नहीं है, प्रेम के अलावा कोई नियम नहीं है, बाईबल के अलावा कोई किताब नहीं है। यही एकमात्र किताब है जिसे हम जानते हैं, और एकमात्र चीज जिसे हम जानते हैं, जो कि हमारे पास है। जैसा कि यीशु मसीह का लहू हमें सारे पापों से शुद्ध करता है, हम एक दूसरे के साथ संगति करते हैं, हर किसी के साथ।

513 मैं आज सुबह देख रहा था, आप में से कुछ लोगों ने भाई को प्रार्थना करते हुए सुना होगा। यह एक कैथोलिक था, सो, मेरा मतलब वो पहले एक कैथोलिक था। और हम सारे यहाँ अलग–अलग प्रकार के लोग यहां आते हैं। अभी कुछ समय पहले, एक मेनोनाइट भाई से हाथ हिलाने का सौभाग्य मिला, जो यहां बैठा हुआ है। और मेनोनाइट्स से, मेथोडिस्ट्स से, बैपटिस्टों से, और कैथोलिक से, या जो कोई भी चाहे, उन्हें आने दो। और हम परमेश्वर के वचन की आशीषों के इर्द–गिर्द एक साथ संगति करते हैं। यहोवा विटनेस और भिन्न–भिन्न तरह के लोग उपस्थित बैठे हुए हैं, वैसे ही भिन्न संप्रदायों के लोग भी उपस्थित हैं।

514 मैं हमेशा पसंद करता हूं (खैर, मैं अब भी करता हूं) पश्चिम से। मुझे घोड़े और गाय–बैल बहुत पसंद हैं। मैं बस एक पशु फार्म पर पला–बड़ा था, और मैं—मैं इसे पसंद करता हूं। और अक्सर हम उन्हें चराने को जाया करते थे, और मैं उनके साथ जाता था। और हमारे पास एक बहते नदी का बाड़ा या घेरा था। मुझे नहीं पता कि आप पूर्वी लोग जानते हैं कि नहीं बहते नदी का बाड़ा या घेरा क्या होता है, या नहीं जानते। यह वहां पर होता है जब आप गाय–पशु को उस—उस जंगल में रखते हैं, उनके पास उन्हें बह जाने से रोकने के लिए एक बाड़ा या घेरा लगाते है, वे इसे यही कहकर बुलाते थे, जिससे कि वे पशु, पशु–फार्म में वापस आ जाये। वे घास को खाते है, जहां वे सर्दियों के भोजन के लिए घास को उगाते हैं। और फिर ऊपर पहाड़ में, उनके पास बहते हुआ बाड़ा या घेरा भी होता हैं, जहां वे बहुत से नर और मादा और इत्यादि को अलग–अलग करते

हैं। इसे बहता हुआ बाड़ा या घेरा कहा जाता है। लेकिन मुख्य बहता हुआ बाड़ा या घेरा वह जगह है जहां वनपाल खड़ा होता है जब गाय–पशु वहां से होकर गुजर रहे होते हैं।

515 और अब मैं वहाँ अपने घोड़े की पीठ पर की काठी में बैठा रहता, बहुत दिन तक, और उन्हें देखता रहा जब गाय–पशु वहां से गुजर रहे होते थे। वहां सभी पर अलग–अलग प्रकार की छाप लगी हुई होती जब वे अंदर जाते। जिसमें से कुछ पर "डायमंड" नाम दिया होता था। और उनमें से कुछ पर नाम था "बार एक्स।" और कुछ को... हमारा नाम "त्रिपोड" था जो कुछ पर तो एक बॉय स्काउट के चिन्ह की तरह था। उसके बाद वाला, इसके आगे, एक घोड़े पर "टर्की ट्रैक," का नाम था। और उन पर सभी अलग–अलग प्रकार की छाप लगी हुई थी, ताकि—ताकि अपने–अपने पशु को पहचान कर सके जब वे उन्हें बाहर निकालते है।

516 अब, वनपाल को इस बात में इतनी दिलचस्पी नहीं थी कि उन पर कौन सी छाप लगी हुई थी, लेकिन यहां बात ऐसी है, कि वनपाल उनके कान में लगे एक लेबल को देखने में रुचि रखता था। जो कोई भी वहां अंदर जाता, कोई फर्क नहीं पड़ता उस पर कोई भी छाप लगी हो, उसे हियरफोर्ड के अच्छी नस्ल का घोड़ा होना था। यह वहां नहीं जा सकता था जब तक कि यह हियरफोर्ड नहीं होता था। उसे पंजीकृत पशु या उस भंडार का होना था या तो ये वहां से होकर नहीं गुजर सकता है।

517 मैं सोचता हूं, उस दिन जब प्रभु आता है, तो वह इस बात पर कोई ध्यान नहीं देगा कि हम कौन सी छाप डाले हुए हैं, लेकिन क्या हम सभी फिर से जन्मे हुए मसीही हैं। यह सही है। यही मसीह के भंडार के है। लहू का परीक्षण हमें साबित करेगा, कि हम सभी मसीही हैं। और यदि हम *वहां* इस तरह से होने जा रहे हैं, तो हम यहां भी इसी तरह से हो सकते हैं। क्या आप ऐसा नहीं सोचते? इसी तरह से, हम सभी भिन्न–भिन्न कलीसियाओ से सभी संगति की सराहना करते हैं।

518 अब हम इब्रानियों की इस धन्य किताब में से अध्ययन कर रहे हैं। एक भाई ने इसका बहुत आनंद लिया है इतना तक उसने इसे टेप किया है और वह इस पर व्याख्यान की एक किताब को बना रहा है।

519 अब हम जल्द ही 11वें अध्याय को लेने जा रहे हैं। हम उस अध्याय पर सर्दियों को बिताने की उम्मीद करते हैं, उस 11वें अध्याय में। उन में

हर एक पात्र के लिए, हम किताब के माध्यम से वापस जाना चाहते हैं और पूरे वचनों को एक साथ जोड़ना चाहते हैं। मैं ऐसा करने जा रहा था। मैं इनमें से कुछ पूर्व अध्यायों में से कुछ भागो में से लेकर, पूरी किताब को एक साथ जोड़ने की कोशिश करूंगा। क्योंकि, आप देखो, वचन ही वचन को साबित करना चाहिए।

520 इसलिए, यदि कोई विरुद्ध वचन है, तो कोई भी सोचेगा कि वचन एक–दूसरे के विपरीत है, यह एक गलती है। ऐसा कोई वचन नहीं है जो वचन के विपरीत हो। उस—उस वचन का विपरीत वहां होता है जहां हो सकता है कि इसे देखने का हमारा अपना तरीका होता है जो इसे विपरीत करता है, लेकिन वचन खुद के विपरीत नहीं जाता है। मैं सेवकाई करते आ रहा हूँ, अब ये छब्बीसवां वर्ष से चल रहा है, और मैंने, एक बार भी, बाईबल में एक ऐसी चीज़ कभी भी नहीं पायी है जो बाईबल में लिखी गई कोई भी चीज़ के विपरीत है। और मैं—मैं बस इतना जानता हूं कि ऐसा वहां पर नहीं है।

521 और आज हम इब्रानियों के सबसे आशीषित अध्यायों में से एक, 7वें अध्याय में से पढ़ रहे हैं। और किसी के पास बाईबल नहीं है, वह हमारे साथ–साथ पढ़ना चाहेगा, तो आप केवल अपने हाथ को उठाये तो हमें आपको एक बाईबल देने में खुशी होगी। हमारे पास पास कुछ प्राचीन भाई होंगे, कोई तो, जो यहां आकर और कुछ बाईबल को ले। कुछ लोग वहां पीछे हाथ को उठा रहे है। और धन्यवाद, भाई। और यदि आप एक बाईबल को चाहते हैं, बस अपना हाथ उठाएं, और वे इसे आपके पास लाएंगे।

522 अब, एक ही जरिया है कि एक कलीसिया को बनाया जा सकता है, एक ही जरिया है कि एक मनुष्य के पास विश्वास हो सकता है, जो ना ही उसके संप्रदाय के द्वारा है, ना ही उसके संबंधो के द्वारा है। लेकिन उसका विश्वास किसी मनुष्य के विचारों के धर्मज्ञान पर आधारित नहीं है, क्योंकि यह करीब–करीब पूरी तरह से मनुष्य ही है। लेकिन केवल एक ही तरह से विश्वास अपने पवित्र विश्राम स्थान को पा सकता है, वह परमेश्वर के अटल और अपरिवर्तनीय वचन पर है। "विश्वास सुनने से आता है, वचन के सुनने से।" ये इसी तरह से आता है। और—और जब विश्वास को सुना और स्वीकार किया जाता है, तो वह हमेशा के लिए स्थिर हो जाता है। कोई भी चीज़ इसे कभी भी हिला नहीं सकती, चाहे कुछ भी आए या जाए। उस

विश्वास को कोई नहीं बदल सकता। उसके बारे में सोचे। आप लंगर किये हुए होते है, और आप अब और नहीं बदलते है, समय और अनंत काल के लिए। आप हमेशा के लिए लंगर किये हुए हैं, "क्योंकि परमेश्वर ने एक ही बलिदान के द्वारा उन्हें जो पवित्र किए गए, या बुलाए हुए हैं, हमेशा के लिये सिद्ध कर दिया है।"

523 और विश्वास का मसीही में, और विश्वासीयों के जीवन में क्या ही बड़ा स्थान है, कि वह एक कीचड़ से भरी हुई कब्र के पास या एक ताबूत के ऊपर खड़ा हो सकता है, जहां उसका एक अनमोल बालक या एक प्रियजन इस जीवन से उस ओर जा चूका है। और उकाब की आँख की कड़ी दृष्टी से, उसकी ओर देख सकता हैं जिसने कहा, "मैं पुनरुत्थान और जीवन हूं।" और वे बीती हुई बातों को भूल जाते हैं। वे ऊँची बुलाहट के निशाने की ओर आगे बढ़ते हैं।

524 मुझे बहुत खुशी है कि परमेश्वर ने इस तरह से प्रदान किया है, और इसे सभी के लिए एक मुफ्त उपहार बनाया है। यही है जो कलीसियाओं को होना है। *कलीसियाओ* का मतलब संप्रदाय या संगठन नहीं है; इसका मतलब है, "लोगों के झुण्ड, विश्वासी लोगों का, जो वचन की संगति के नीचे इकट्ठे हुए हैं।"

525 और यहाँ संत पौलुस के इस अद्भुत शिक्षा में, पृष्ठभूमि में, पिछले अध्यायों में, वह विशेष रूप से प्रभु यीशु की सर्वोच्च दैविकता और वो कौन था, इसके साथ व्यवहार कर रहा था। मसीह परमेश्वर था, वो ऐसा बना ताकि मनुष्य उसे महसूस कर सकें और उसे छू सकें, और—और उसके साथ संगति कर सके। मसीह, प्रभु यीशु, वह देह थी जिसमें परमेश्वर ने वास किया, "परमेश्वर देहधारी हुआ और हमारे बीच रहा।" पहला तीमुथियुस 3:16, "बिना किसी विवाद के भक्ति का भेद बड़ा है, क्योंकि परमेश्वर देह में प्रकट हुआ था।"

526 महान यहोवा नीचे उतर आया और वास्तविक बना, अपने स्वयं के पुत्र के शरीर में रहने के द्वारा, घोषणा करते हुए और स्वयं के साथ संसार को मेल–मिलाप कराते हुए। परमेश्वर कुछ नहीं... मसीह परमेश्वर से कम नहीं था, और—और परमेश्वर मसीह से कम नहीं था। दोनों ने मिलकर परमेश्वरत्व की देह को बनाया, दूतों से थोड़ा नीचा बनाया, जिससे कि

वह कष्ट उठा सके। दूत दुःख नहीं उठा सकते। यीशु वह तंबू था जिसमें परमेश्वर वास करता था।

527 बाईबल ने कहा, प्रेरितों के कार्य के 7वें अध्याय में, वह, "तंबू, और जला–... बलिदान और होमबलि तू ने न चाहा, लेकिन तू ने मेरे लिए एक देह तैयार किया है। तौभी परमप्रधान हाथ के बनाए हुए भवन में वास नहीं करता, लेकिन एक देह को तूने मेरे लिए तैयार किया है," कि भवन में रहना या मनुष्य के साथ संगति में वास करना।

528 परमेश्वर अनुमति देता है, जैसे ही हम यहाँ इस अध्याय में से होकर जाते हैं, या इस किताब में से होकर जाते हैं, हम वापस जाकर और रूत की किताब उठा कर उसमें दिखाना चाहते हैं कि कैसे परमेश्वर हमारा निकट कुटुम्बी बन गया, ताकि संगति करने के द्वारा हम में से एक बनकर खोए हुए को वापस खुद से मेल–मिलाप कराये। छुड़ाने वाला अवश्य ही निकट कुटुंबी होना चाहिए, और केवल एक मात्र तरीका है जिससे परमेश्वर हमारा निकट कुटुंबी बन सकता है, कि वो हम में से एक बन जाए। इसलिए, वह एक दूत नहीं बन सकता और उसे मनुष्य का निकट कुटुम्बी बनना होगा।

529 कल शाम जब मैं मेरे साथी से बात कर रहा था, जिसका ह्रदय टूटा हुआ था, जिसकी माँ हाल ही में गुज़र गयी थी, कहा, "ओह, भाई बिल, मुझे लगता है कि वह आज रात एक दूत है।"

530 मैंने कहा, "नहीं, अर्ल। वह कभी भी दूत नहीं बनेगी। वह आज रात एक महिला है, जैसे परमेश्वर ने उसे बनाया था, और हमेशा रहेगी, उसे कभी भी एक दूत नहीं बनाया।" परमेश्वर ने दूतों को बनाया। उसने कभी मनुष्यों को दूत नहीं बनाया। उसने दूतो *और* मनुष्यों को बनाया। इसलिए मनुष्य कभी दूत नहीं होंगे, और दूत कभी भी मनुष्य नहीं होंगे। परमेश्वर ने उन्हें भिन्न–भिन्न बनाया है।

531 अब, और मसीह में देहधारी होते हुए छुड़ाने के काम को करें बहुत पीछे उस ओर, जहाँ से मनुष्य गिरा था, और वह पाप के द्वारा अमरता नीचे आ गयी थी, परमेश्वर नीचे उतर आया और उसने एक मनुष्य का रूप धारण किया, और हमारा निकट कुटुम्बी बन गया, जिससे कि वह हमारे पापों और हमारी मृत्यु को उठा सके।

532 और एक उदाहरण में जो हम पिछली शिक्षाओं में देते आ रहे है, बस थोड़ी सी पृष्ठभूमि को लुंगा जिससे कि नये लोग समझ सके। परमेश्वर,

कलवरी की ओर अपने मार्ग पर, जब मृत्यु का डंक उस पर था, और उसके चारों ओर भिनभिना रही थी, और अंत में इसने उसे डंक मारा इतना तक वह मर गया। वो मर गया इतना तक सूरज ने चमकना बंद कर दिया। वह मरा इतना तक चाँद और तारो ने अपने प्रकाश को नहीं दिया।

533 क्योंकि, उसे किसी तरह से यह करना था, मृत्यु के डंक को लंगर डालने के लिए! यदि वह एक अमरहार व्यक्ति होता था, यदि वह दैविक शरीर में होता था, या आत्मा में होता था, तो मृत्यु का उस पर कोई नियंत्रण नहीं होता था। उसे देह बनना ही था, कि वह मृत्यु के डंक को ले सके। लेकिन जब एक मधुमक्खी या एक कीट जो डंक मारती है, जब एक बार गहरा डंक मारती है, तो वह फिर से कभी भी डंक नहीं मारेगी। वह अपने डंक को शरीर में छोड़ देती है। और वही है जो मसीह–... या परमेश्वर बन गया। मसीह ने देह में वास किया, जिससे कि वह अपने शरीर में मृत्यु के डंक के लंगर को ले सके। और जब मृत्यु क्रूस पर से उससे दूर चली गई, तो उसने अपने डंक को छोड़ दिया, वह अब एक विश्वासी को डंक नहीं मार सकती। यह भिनभिना सकती है, यह भनभन की आवाज़ कर सकती है और डर को दे सकती है, लेकिन यह डंक नहीं मार सकती। इसके पास कोई डंक नहीं है।

534 महान संत पौलुस, उसके मृत्यु की ओर बढ़ने पर, चिल्ला उठा और कहा, "हे मौत, तेरा डंक कहाँ है? और कब्र, तेरी विजय कहाँ है? लेकिन परमेश्वर का धन्यवाद हो, जिस ने हमें हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा जयवन्त किया है। क्योंकि मृत्यु और कब्र दोनों ने अपनी शक्ति को खो दिया है।"

535 अब, फिर, पिछले रविवार को हमने लिया, "मसीह के शिक्षा की आरंभ की बातों को छोड़कर," छठे अध्याय में हम इसे पढ़ते हैं, "आओ हम सिद्धता की ओर आगे बढ़ें।" और हम देखते है कि आज बहुत सी कलीसियाओं के लोगो में, ब्रंहम टेबरनेकल और साथ ही अन्य कलीसियाओं में, हम मसीह की शिक्षा के बारे में बहुत अधिक अध्ययन पर बने रहते हैं: वो अब्राहम का पुत्र था, वह *फलां और फलां* का—का पुत्र था, और पीछे, वंशावलियां। लेकिन बाईबल ने कहा, "आओ हम उन बातों को एक तरफ रख दें, और सिद्धता की ओर आगे बढ़ें।"

536 पहले तुम्हें अवश्य ही शिक्षा को जानना चाहिए, और उसके बाद आपको इन सभी बातों को जानना चाहिए; उसके बाद हम उन्हें एक तरफ रख दे, उसने कहा, मरे हुओं के पुनरुत्थान, हाथों को रखना, बपतिस्मा, और परमेश्वर के सभी मृत लेख। फिर भी, उनके—उनके पास उनमें कोई जीवन नहीं है। लेकिन कलीसिया आज सिर्फ उन्हीं चीजों के लिए जाती है, "ओह, हम मसीह की दैविकता में विश्वास करते हैं।" जी हाँ। निश्चय ही करें। "हम जल बपतिस्मा में विश्वास करते हैं।" जी हाँ। निश्चय ही करें। "हाथों को रखना।"

537 पौलुस ने कहा, "यदि परमेश्वर अनुमति देता है तो हम यह सब करेंगे। लेकिन उस सब के सामने, आओ अब इसे एक तरफ रख दें, और सिद्धता की ओर आगे बढ़ें।"

538 अब, कलीसिया को संगठनों के माध्यम से सिद्ध नहीं बनाया जा सकता है। यह हर समय, परमेश्वर से और दूर होती जाती है, या एक दूसरे से दूर होते जाते है। हम बाधाओं को खींचते हैं, हम अपने आप को अलग करते हैं, ऐसा दिखाई होता है कि विश्वास नहीं है। लेकिन फिर जब हम शिक्षा की उन आरंभ की बातों को छोड़ देते हैं, यदि हम सिद्धता की ओर बढ़ते हैं, तो वे छोटी–छोटी चीजें किसी काम की नहीं रह जातीं।

539 हम एक संबंध में जाते हैं, और हम देखते है कि केवल तरीका है कि हम सिद्ध बन सकते है वो है मसीह में होना। और फिर हम बाईबल की शिक्षाओं के द्वारा पाते हैं कि हम कैसे मसीह में आते हैं; न ही पानी के बपतिस्मे से, न हाथों के रखने के द्वारा, न शिक्षा देने के द्वारा। "लेकिन एक आत्मा के द्वारा हम सब ने एक देह में बपतिस्मा लिया हैं और उसके दुखो के द्वारा सिद्ध बनते हैं।" तब, हम अलग ही दिखते हैं। हम अलग ही सोचते हैं। हम अलग ही बर्ताव करते हैं। हम अलग ही जीते हैं। इसलिए नहीं कि यह एक कर्तव्य है या हम कलीसिया से संबंध रखते हैं, लेकिन क्योंकि "वह प्रेम जो परमेश्वर ने हमारे हृदय में पवित्र आत्मा के द्वारा अपार बहाया है," जो हमें परमेश्वर के राज्य का संगी नागरिक बनाता है, तब वहां उसमें कोई संप्रदाय या बाधा नहीं होती है। हम सब एक महान शरीर होते हैं।

540 अब हम कुछ ही क्षणों में सुबह की शिक्षा में प्रवेश करने के लिए तैयार हैं। एक और बात जो मैं यहाँ पर लाना चाहता हूँ, वह है, कि, पौलुस 7वें, या 6ठे अध्याय की किताब में बोल रहा है, हमें यहाँ पता चलता है कि हम

मसीह में सिद्ध बनाए गए हैं। फिर 6वें अध्याय के 13वें पद में, बस जरा सी पृष्ठभूमि को लेंगे।

> *क्योंकि जब परमेश्वर ने अब्राहम से प्रतिज्ञा की, इसलिये कि वह अपने से बड़े की शपथ न खा सका, तो उसने अपनी ही शपथ खाई,*

परमेश्वर ने अपनी ही शपथ खाई, क्योंकि वह अपने से बड़े किसी की शपथ नहीं खा सकता था।

541 अब हम वापस जाना चाहते हैं। आइए, कुछ ही क्षणों में गलातियों से लेंगे। गलातियों की किताब की ओर जाए, और गलातियों 3:16 को निकालें। और हम यहाँ बस कुछ क्षण के लिए पढ़ेंगे, कि उसने किसकी शपथ खाई।

> *अब अब्राहम और उसके बीज के लिए* प्रतिज्ञा *की गई थी। उसने यह नहीं कहा, और बीजों से, जैसा कि बहुतों से; लेकिन जैसे कि एक के लिए,... बीज को, जो मसीह है।*

542 अब यदि आप ध्यान देंगे, इसे ध्यान से पढे, जब आप पढ़ते हैं।

> *... अब्राहम और उसका बीज* (एकवचन) *के लिए किए गए प्रतिज्ञाये* (बहुवचन) *की गयी थी।*

543 "अब्राहम और उसका बीज।" अब, अब्राहम का बीज एक था, जो कि मसीह था; आदिरूप में, जो इसहाक था।

लेकिन अब्राहम के बहुत से बालक थे। इसहाक के होने से पहले उसका एक पुत्र था, जो चूक होने को दिखा रहा था जो सारा के अविश्वास के कारण था जो चाहती थी कि हन्ना बालक को लाए, यह सोचते हुए कि वह बहुत बूढ़ी है, और परमेश्वर के उस मार्ग से हटकर और कोई दूसरे मार्ग को ले जिसे परमेश्वर ने करने की प्रतिज्ञा की थी।

544 लेकिन परमेश्वर अपनी प्रतिज्ञा को पूरा करता है। कोई फर्क नहीं पड़ता यह कितना ही अनुचित प्रतीत होता हो, परमेश्वर अपने वचन के प्रति बाध्य है। और सारा ने सोचा कि हो सकता है उसके पास हन्ना हो, मेरा मतलब, हाजिरा हो, उसकी दासी, अब्राहम के जरिये से एक बालक को जन्म देने के लिए, और वह इसे ले लेगी। और वह इश्माएल बना, जो उस समय से लेकर अब तक शरीर में कांटा बना रहा। अभी भी शरीर में एक कांटा

ही है, क्योंकि वहाँ उसमें से अरबी बाहर निकले, और वे हमेशा से ऐसे ही रहे हैं।

545 अब, किसी भी समय जब आप परमेश्वर के स्पष्ट वचन पर अविश्वास करते हैं और कोई अन्य तरीका अपनाते हैं, वहाँ से लेकर आगे यह आपके शरीर में काँटा होगा। आप बस वही ले जो परमेश्वर ने कहा है। यदि उसने इसे कहा, तो उसका यही मतलब होता है। ओह, धन्य है उसका नाम! केवल उसके वचन को लें।

546 कोई फर्क नहीं पड़ता कि क्या बात इसके भिन्न मार्ग को लेने कोशिश करें, कहते हुए, "खैर, इसका वास्तव में मतलब यह नहीं है।" इसका अर्थ वही है जो यह कहता है, जब परमेश्वर एक प्रतिज्ञा को करता है।

547 अब यदि हम बारीकी से देखेंगे।

... अब्राहम और उसके बीज के लिए प्रतिज्ञाये थी...

बीज एक था, एकवचन, और दूसरी प्रतिज्ञाये थी। वहां एक से भी अधिक प्रतिज्ञा थी, और एक से अधिक व्यक्ति है जिसमें अब्राहम का बीज शामिल हैं। समझे? वहां एक बीज है, लेकिन इस बीज के अनेक लोग हैं। देखा? वे केवल अकेले अब्राहम या अकेले इसहाक के लिए नहीं थे। लेकिन... यह अब्राहम के सभी वंश के लिए था। प्रतिज्ञाये हर बीज और उस बीज के प्रत्येक व्यक्तिगत बीज से की गई थीं। आपने इसे पकड़ा?

548 इसलिए, हम, वचन के अनुसार, मसीह में मरे हुए हैं, हम अब्राहम के बीज को लेते हैं और प्रतिज्ञा के अनुसार वारिस होते हैं। ना ही कलीसिया में जुड़ने के द्वारा, या मरी हुई चीजो को रूप देने के द्वारा, या—या इत्यादि। लेकिन मसीह की आत्मा से जन्म लेने के द्वारा, हम अब्राहम के बीज होते हैं, और राज्य में उसके साथ संगी वारिस हैं।

549 फिर हम आगे पढ़ते है, तब, अब थोडा सा और आगे, "परमेश्वर शपथ को लेता हैं।" अब 6वें अध्याय का 17वाँ पद।

जिसमें परमेश्वर, अधिक बहुतायात की इच्छा से...

... परमेश्वर, अधिक बहुतायात की इच्छा रखता है कि प्रतिज्ञा के वारिसों को दिखाए कि उसकी मनसा बदल नहीं सकती तो शपथ को बीच में लाया:

550 ओह, आओ हम अब कुछ मिनट विश्राम करते हैं। "परमेश्वर और अधिक इच्छा रखता है।" ऐसा नहीं है कि उसे करना ही था, लेकिन इस बात को सुनिश्चित करने के लिए।

551 अब, हम पहले ही जान चुके हैं कि परमेश्वर देहधारी हुआ, हमारे बीच में रहा, कि किस तरह से उसने अपने आप को संसार के सामने प्रकट किया। जब उसने स्त्री को व्यभिचार में पाया, तो कहा, "मैं—मैं तुम्हें दोषी नहीं ठहराता। जाओ, अब और पाप मत करना।" जब उसने बीमारों को पाया, तो उसने उसी तरह से किया जैसा उसे करना चाहिए था, क्योंकि वह परमेश्वर था, और उसने—उसने बीमारों को चंगा किया। उसने मुर्दों को जिलाया। उसने पापों को क्षमा किया। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे कैसे थे, और वे कितने थे, और कितने पीछे हटे हुए थे, कुछ भी हो, यदि वे आकर और क्षमा माँगने की इच्छा रखते है, तो वह उन्हें क्षमा कर देता है।

552 अब ध्यान दे। यदि परमेश्वर ने किसी निश्चित परिस्थिति में एक बार कार्य किया है, और यदि वही परिस्थिति फिर से उत्पन्न होती है, उसे दूसरी बार भी वही कार्य को करना है जैसे उसने पहली बार किया था या तो वह अन्यायी है। देखा? कोई फर्क नहीं पड़ता आप कितने भी पाप में बुरी तरह से क्यों न पड़े हों, आप कितने भी झुके हुए क्यों न हों, उसे आपके साथ उसी तरह से कार्य को करना है जैसे उसने उस गिरी हुई महिला के साथ किया या तो तब उसने गलत काम को किया था। परमेश्वर का बर्ताव उसका व्यक्ति है, और वह अपने बर्ताव में जो है वह अपने व्यक्तित्व की घोषणा करता है।

553 और इसी तरह से आप हैं, आपके जीवन के बर्ताव में, यह बताता है कि आप क्या हैं। जैसा कि हमने इस बात में से होकर बताया था, एक या दो पाठ पहले, मेथोडिस्ट लोगो ने घोषित करना चाहा, "जब आप चिल्लाते हैं, तो आपको आत्मा मिल गया।" पेंटीकोस्टल कहता है, "जब आप अन्य जुबानो में बोलते हैं, तो आपके पास यह है।" हिलने वालो ने कहा, "जब आप हिलते–डुलते हैं, तो आपको मिल गया," पेंसिल्वेनिया हिलने वाले। और हम देखते है कि वे सब गलत हैं। आपका जीवन इसे घोषित करता है। आपका व्यक्ति घोषित करता है कि आप क्या हैं। एक मनुष्य अपने कामों से जाना जाता है, और जो कुछ भी आपका जीवन है।

554 आपने पुरानी कहानी को सुना है, "आपका जीवन इतना जोर से बोलता है, मैं आपके शब्दों को नहीं सुन सकता हूं।" तो आप जो भी हो, आप वही हो। आप जो जीवन जीते हैं वह दर्शाता है कि आप में किस प्रकार की आत्मा है।

555 और फिर आप गलत चीज़ की नकल कर सकते हैं, या सही चीज़ की नकल कर सकते हैं, मैं कह सकता हूँ। आप एक मसीही होने की नकल कर सकते हैं। लेकिन धीरे–धीरे एक ऐसा समय आएगा, जब दबाव को डाला जाएगा, तब यह दिखाएगा कि आप क्या हैं। एक जंजीर अपनी सबसे कमजोर कड़ी पर सबसे मजबूत होती है।

556 जब परमेश्वर के पुत्र मसीह को परीक्षा में रखा गया, तो उसने दिखाया कि वह क्या था। निश्चय ही। जब आपको परीक्षा में डाला जाता है, तो यह साबित करेगा कि आप क्या हैं। आपका जीवन हमेशा दर्शाता है जो आपके अंदर होता है। बाद में, सुनिश्चित करें कि आपके पाप आपको ढूंढ़ नहीं रहे हैं। और यही है जो हम कहने की कोशिश कर रहे हैं।

557 यीशु ने संत यूहन्ना 5:24 में कहा, "वह जो सुनता है," ना ही वह जो हिलता–डुलता है, वह जो बोलता है, वह जो... "वह जो मेरा वचन सुनता है, और उस पर विश्वास करता है जिसने मुझे भेजा है, उसके पास अनन्त जीवन है, और वो न्याय के लिए कभी नहीं आयेगा; लेकिन मृत्यु से पार होकर जीवन में पहुंच चूका है।"

558 यह आपका विश्वास है। और आपका विश्वास, जो आपके मुंह से अंगीकार किया गया है, जो सुन सकते है उन लोगों पर प्रगट होता है, लेकिन आपका जीवन सब के साम्हने खुला हुआ है। सो, कोई फर्क नहीं पड़ता आप *ऐसा* और *वैसा* कितना भी अभिनय करने की कोशिश कर लें, यह कभी भी काम नहीं करेगा। इसे आप के अंदर होना है। यही पूरी कहानी का असली आधार है। आपके उद्धारकर्ता के रूप में, पुनरुत्थित मसीह में आपका व्यक्तिगत विश्वास; कि वह परमेश्वर के दाहिने हाथ पर है, आज सुबह आपके स्थान पर कार्य कर रहा है, जैसा कि आप यहाँ नीचे उसके स्थान पर एक गवाह के रूप में कार्य कर रहे हैं। एक गवाह का अर्थ है किसी के स्थान पर कार्य करना, एक गवाह के रूप में आपके लिए खड़ा हुआ है। और जैसा कि आपका जीवन यहां प्रतिबिंबित करता है कि मसीह में आपकी गवाही क्या है, यह वहां पर प्रतिबिंबित होता है और यह यहां पर

प्रतिबिंबित होता है। और वह वहां ऊपर है, जैसा कि वह आपके लिए है, वहां और यहां दोनों को प्रतिबिंबित करता है। तो आप... आपके विश्वास के द्वारा, आप बचाए गए हैं, और केवल यही। तो, सनसनी होना, भावना में आना, अनुभूति, कुछ भी होना, इसमें इनका बिल्कुल कोई स्थान नहीं है। अब, नहीं...

559 अब, गलत मत सोचना, कि मैं इन भावनाओं में विश्वास नहीं करता। निश्चित रूप से। लेकिन अभी हम जो कर रहे हैं, इस दिन के इन लोगों को कडी शिक्षा देने की कोशिश करते हैं, ये भावनाएं नहीं हैं। शैतान ने उन चीज़ों को ले लिया है और लोगों के साथ जंगली हो गया है, उन्हें उनकी अनंत मंज़िल को एक भावना के ऊपर आधारित होने देता है। हर रविवार को कलीसिया जाना, चिल्लाना, अन्य जुबान में बोलना, एक मसीही की तरह अभिनय करते है, जो उस दिन पर कुछ भी उत्पन्न नहीं करेगा। "जब तब एक मनुष्य फिर से जन्म ना ले।" और आपका जीवन दर्शाता है कि आप अंदर से क्या हैं, देखिए, ना ही आपकी भावनाएं।

560 आपके हाथों में लहू हो सकता है, आप जुबानो में बोल सकते हैं, आप बीमारों को चंगा कर सकते हैं, आप अपने विश्वास से पहाड़ों को हटा सकते हैं, और आप अब भी कुछ भी नहीं हैं। पहला कुरिन्थियों 13। समझे? इसे एक जन्म के द्वारा कुछ तो होना है जो कि परमेश्वर से आता है, और परमेश्वर आपके अंदर नया जन्म लाता है, और आपको अपने खुद के एक भाग को देता है। उसके बाद वो चीजें होती हैं। आप एक नई सृष्टी हैं। "मैं उनके लिए अनंतता को देता हूँ।"

561 हमने "अनंत" शब्द के बारे में पहले से बताया है। *सदा के लिए* "समय की एक अवधि होती है।" *अनंतता* हमेशा के लिए, हमेशा के लिए और हमेशा के लिए होता है, लेकिन वहां केवल एक अनंतता है। और हम देखते है कि आप अनंत जीवन को प्राप्त करते हैं, और युनानी में शब्द *ज़ोई* है, जिसका अर्थ होता है "परमेश्वर का जीवन।" और आप परमेश्वर के जीवन के भाग को प्राप्त करते हैं, जो आपको परमेश्वर का आत्मिक पुत्र बनाता है, और आप वैसे ही चिरस्थायी हो जैसे कि परमेश्वर चिरस्थायी है। आपका कोई अंत नहीं है, ना ही रुकने के का कोई स्थान है, क्योंकि आपके पास आरंभ करने का कोई स्थान ही नहीं था। किसी भी चीज की शुरुआत

होती है, उसका अंत होता है, और बिना शुरुआत के उसका कोई अंत नहीं होता है।

562 हम उस बहुमूल्य वचन से कितना प्रेम करते हैं! कैसे एक मसीही लोगो को उस विश्वास में स्थापित किया जाना चाहिए जो एक बार संतों को दिया गया था, और ना ही यहाँ–वहां उछाले जाना है, एक जगह से दूसरी जगह, अलग–अलग कलीसियाओ में जुड़ना। जब तक आप एक मसीही हैं, आप किसी भी कलीसिया से जुड़ना चाहते हैं, यह ठीक बात है। लेकिन सबसे पहले इस चीज को पहले रखे कि वह जन्म कौन सा है जो आपको परमेश्वर का निकट कुटुम्बी बनाता है, जैसे परमेश्वर आपका निकट कुटुम्बी बना।

563 वह निकट कुटुम्बी बन गया, जिससे कि वह आपको ऊपर उठाएं। इससे पहले कि वह आपको ऊपर उठा सके, उसे आपको अनंत जीवन देना है। तब परमेश्वर को निकट कुटुम्बी बनना था, ताकि मृत्यु को ले ले, जिससे कि आपको ऊपर उठाये। उसके बाद आपको पुनरुत्थान में जाने के लिए उसका निकट कुटुम्बी बनना होगा। आप देखते हैं कि यह क्या है? यह सिर्फ एक अदला–बदली है। परमेश्वर आप बन गया, जिससे कि आप परमेश्वर बन सके। देखा? परमेश्वर आप का एक भाग बन गया, देह में, जिससे कि आप उसके अनुग्रह से उसका एक भाग बन सके, ऐसा ही है, अनंत जीवन को पाने के लिए।

564 बस एक सुन्दर सी तस्वीर, और, ओह, हम इसे पसंद करते हैं।

अब, *परमेश्वर, और बहुतायत से इच्छा रखता है...*

565 नहीं करना पड़ा, लेकिन वह करने की इच्छा रखता था। मैं इस बात से बहुत खुश हूँ, क्या आप नहीं हो, कि हमारा परमेश्वर इच्छा रखता है? देखना। क्या होता यदि वह—क्या होता यदि वह सहनशीलता नहीं रखता था? आत्मा का फल क्या है? प्रेम, आनंद, विश्वास, शांति, सहनशीलता। वह परमेश्वर का एक भाग है जो आप में है। और सहनशीलता से एक दूसरे के भार को सह सकते हैं। एक दूसरे को क्षमा करना, जैसा कि परमेश्वर ने मसीह की खातिर आपको क्षमा किया है। आप में परमेश्वर का आत्मा आपको उस तरह से बनाता है। और फिर जब परमेश्वर यहाँ धरती पर था और आप बन गया, पाप बन गया, कि उसने आपके पाप ले लिए, आपके लिए इसे उठा लिया और इसके लिए आपके दंड का भुगतान किया। परमेश्वर सहनशील है, वह हमारे भार को सहन कर रहा है।

566 और फिर वह एक भला परमेश्वर है। यदि आप कुछ चीजों को आपके अपने तरीके से चाहते हैं, आप जानते हैं, परमेश्वर ऐसा करने के लिए बहुत ही भला है। वह पसंद करता है कि—कि आपको खुश रखे। वह चाहता है... वो—वो प्रेम है, और उसका महान प्रेम उसे यहाँ तक कभी–कभी नीचे उतरने के लिए विवश करता है, आपको उन चीजों को देने के लिए जो आप चाहते हैं।

567 पुनरूत्थान के बाद थोमा को देखें। थोमा विश्वास नहीं करता है। ओह, आज उसके बहुत से बच्चे हैं। लेकिन थोमा ने कहा, "नहीं। नहीं। मेरे पास कुछ प्रमाण होने चाहिए। मुझे अपने हाथ को उसके बगल में रखना होगा, और उसके... मेरी उंगलियां यहां उसके हाथों में रखना होगा, इससे पहले कि मैं इस पर विश्वास करूं। मैं, मैं परवाह नहीं करता कि आप क्या कहते हो।" देखो, उस समय वह सारे वचन के क्रम से बाहर था। आपको इसे विश्वास करना चाहिए। तो उसने कहा, "इसे साबित करने के लिए मेरे पास किसी तरह का प्रमाण होना चाहिए।"

568 और यीशु प्रकट हुआ, वह भला है, "आगे बढ़ो, थोमा, यदि तुम यही चाहते हो, तो ठीक है, तुम यहाँ हो। तुम्हारे पास यह हो सकता हैं।"

569 इसी तरह से हम हैं। हम कहते हैं, "प्रभु, मुझे अन्य जुबानो में बोलना है। मुझे—मुझे चिल्लाना है। मैंने... "

570 "ओह, आगे बढ़ो, मैं तुम्हें यह देने जा रहा हूं।" वो भला है।

571 तो उसने अपना हाथ अपनी बगल में रखा, फिर उसने कहा, "ओह, यह तो मेरा प्रभु और मेरा परमेश्वर है।"

572 उसने कहा, "अब, थोमा, तुम विश्वास करते हो जब तुमने देखा। लेकिन उनका प्रतिफल कितना बड़ा है जिनके पास कोई प्रमाण नहीं है, और फिर भी इस पर विश्वास करते हैं!" आप वहीं पर है। पर यही है जहाँ हमें होना ही है। "उनका प्रतिफल कितना बड़ा है, जिन्होंने कुछ भी नहीं देखा और फिर भी उस पर विश्वास किया।" यह विश्वास का कार्य है, कि हम इसे स्वीकार करते हैं।

573 अब, मैं विश्वासियों के पीछे–पीछे आने वाले चिन्हों पर विश्वास करता हूं, लेकिन आइए हम पहले चीजों को पहले रखें। आपके पास इसके बिना चिन्ह हो सकते हैं। पौलुस ने कहा आप कर सकते हैं। उसने कहा, "मैं मनुष्यों और स्वर्गदूतों दोनों की तरह जुबानो में बोल सकता हूं; मैं कुछ भी

नहीं हूँ। मैं अपने विश्वास से पर्वतों को हटा सकता हूँ; मै कुछ भी नही। मैं बाईबल को समझ सकता हूं, किसी तरह से मैं परमेश्वर के सभी रहस्यों को जान सकता हूं; मैं कुछ भी नहीं हूँ।" देखो, यह बिना पवित्र आत्मा के पवित्र आत्मा के दान हैं।

574 पवित्र आत्मा परमेश्वर है। परमेश्वर प्रेम, आनंद, शांति, सहनशीलता, नम्रता, धीरज है। यही परमेश्वर का आत्मा है। यही है जो परमेश्वर अंत के दिनों में ऊपर उठाता है, उसी आत्मा के द्वारा।

575 अब, "ना ही इच्छा रखते हुए... "

... *परमेश्वर, प्रतिज्ञा के वारिसों को* बहुतायत से दिखाने *की इच्छा रखता है...*

... *परमेश्वर,* बहुतायत से इच्छा रखता है... *कि* दिखाए... *वारिसो को*...

वारिस कौन है? "हम, जो मसीह में मर कर, अब्राहम के बीज को लेते हैं, और उत्तराधिकारी होते हैं।" ओह, क्या यह अंदर जा रहा है? हम प्रतिज्ञा शपथ के द्वारा परमेश्वर के राज्य के वारिस हैं। परमेश्वर को शपथ नहीं खानी थी। उसका वचन सिद्ध है। लेकिन उसने अपनी ही शपथ भी खाई, क्योंकि उस से बड़ा कोई नहीं था।

576 जैसा कि हम पढ़ते हैं, बस कुछ क्षण के लिए, सुनना।

... *उसकी मनसा की अपरिवर्तनीय की प्रतिज्ञा, शपथ के द्वारा इसकी पुष्टि की:*

577 "अपरिवर्तनीय," ना बदलने वाला। परमेश्वर बदल नहीं सकता। उसे वही बने रहना है। और यदि परमेश्वर एक बीमार व्यक्ति को चंगा करता है, तो वह अपना व्यवहार कभी भी नहीं बदल सकता। परमेश्वर एक पापी, एक वेश्या को क्षमा करता है, तो वह अपना व्यवहार कभी भी नहीं बदल सकता। अपरिवर्तनीय, परमेश्वर के वचन का ना बदलना। एक स्थान में परमेश्वर ने कहा, "मैं प्रभु हूं जो तुम्हारे सारे रोगों को चंगा करता हूं।" उसे इसके साथ बने रहना है, क्योंकि वह अनंत है। वह आरंभ से अंत तक जानता था।

578 अब, मैं कह सकता हूँ, "मैं *यह* करूँगा।" और बाईबल ने कहा, लेकिन हमें ऐसा कहना चाहिए, "यदि प्रभु की इच्छा है तो।" क्योंकि, मैं एक

मरणहार हूँ। मैं नहीं जानता। कभी–कभी मुझे अपने शब्दों को वापस लेना पड़ता है, लेकिन परमेश्वर अपने शब्दों को वापस नहीं ले सकता। वो परमेश्वर है।

579 और उसने केवल एक ही बात मांगी है, "यदि तुम विश्वास कर सकते हो।" ओह, प्रभु! "यदि तुम विश्वास कर सकते हो, तो सब कुछ संभव है।" "यदि तुम विश्वास कर सकते हैं," बस इतना ही। "तुम, यदि तुम कर सकते हो," वहाँ सवाल है। लेकिन सवाल परमेश्वर के वचन पर नहीं है, क्योंकि, वो अपरिवर्तनीय है, वह बदल नहीं सकता। कितना अद्भुत है!

580 अब सुनिए, जैसा कि हम आगे पढ़ते हैं।

> *कि दो अपरिवर्तनीय चीजों से, जिन के विषय में परमेश्वर का झूठा ठहराना असंभव है,...*

असंभव! एक असंभवता और अपरिवर्तनीय व्यावहारिक रूप से एक ही शब्द है; बदल नहीं सकता, हिल नहीं सकता। इसे हमेशा ही एक जैसा बने रहना है। बदला नहीं जा सकता, अपरिवर्तनीय और असंभवता।

> और दो, *कि दो अपरिवर्तनीय चीजों से, जिन के विषय में परमेश्वर का झूठा ठहराना असंभव है,...*

"हमारे पास दो चीजें हैं?" जी हाँ। पहला, उसके वचन ने कहा कि वह इसे करेगा। दूसरी चीज उस पर उनकी शपथ थी, वह इसे करेगा। ओह, प्रभु!

581 हमें किस तरह के लोग होना चाहिए? क्यों हम इधर–उधर उछाले फिरते और दौड़ते रहना चाहिए, और संसार की चीज़ों को लेते है और 1957 के इस सुव्यवस्थित–आदर्श मसीही लोगों की तरह नाटक करते हैं? हम पुराने प्रचलन की तरह बनना चाहते हैं जो परमेश्वर को उसके वचन पर लेते है, और जो चीजे नहीं थीं, उन्हें ऐसा बताते है, मानो वे हैं। "यदि परमेश्वर ने ऐसा कहा, तो इससे बात खत्म हो जाती है।"

582 अब्राहम, जिसे प्रतिज्ञा दी गई थी, उसे और उसके बीज को, उसने उन चीज़ों को जो नहीं थीं ऐसा बताया, मानो वे थीं। क्योंकि, यह परमेश्वर का वचन था, यह जानते हुए कि परमेश्वर झूठ नहीं बोल सकता। उसने उससे यह प्रतिज्ञा की थी, और उसने उस पर विश्वास किया। और जैसे–जैसे साल बीतते गए, और ऐसा लगता था कि प्रतिज्ञा और दूर होती जा रही है, स्वाभाविक आँखों के लिए, यह अब्राहम के अधिक निकट होती गयी।

583 कमजोर होने के बजाय, और वो कहता, "खैर, हो सकता है दिव्य चंगाई जैसी कोई चीज नहीं है। हो सकता है मैं अभी–... शायद ऐसी कोई चीज नहीं है। हो सकता है मैं अपने सभी विचारो या समझ में गलत था।" फिर, यह एक बात को दिखाता है, कि आपका नया जन्म नहीं हुआ है। "क्योंकि ये... "

584 हमने पिछले रविवार को इस लिया था, अध्याय में बस थोड़ा सा आगे। "क्योंकि यह उस मनुष्य के लिए असंभव है जिसने एक बार स्वर्गीय दानों और चीजों को चखा है, यदि वे भटक जाएं, तो उन्हें मन फिराव के लिये फिर नया बनाना अन्होना है।" पूरी तरह से, बिलकुल असंभव!

> क्योंकि जो *परमेश्वर से जन्मा है* वह *नहीं* करता और *पाप नहीं* कर सकता है; *क्योंकि* परमेश्वर का *बीज उसमें* बना रहता है: *और वह पाप नहीं कर सकता,...*

परमेश्वर का बीज परमेश्वर का वचन है। "विश्वास सुनने से आता है, वचन के सुनने से, 'बलिदान को किया गया था। सब पूरा हो चुका है।'"

585 अब, यदि आप गलत करते हैं, तो परमेश्वर आपको उसका भुगतान करने को लगाएगा। लेकिन यदि आप ऐसा करते हैं, तो आप गलत हैं, आप इसे अपनी इच्छा से नहीं करते हैं। 10वा अध्याय, 47वा पद, मैं विश्वास करता हूँ, "क्योंकि यदि हम सत्य की पहचान प्राप्त करने के बाद जानबूझ कर पाप करते हैं।" लेकिन आपके एक बार जन्म लेने के बाद, आपके पास सत्य होता है; इसका ज्ञान नहीं होता, लेकिन आपने सत्य को स्वीकार कर लिया है और यह एक वास्तविकता बन गया है। और आप समय और अनंतता के लिए परमेश्वर की संतान हैं। परमेश्वर ने शपथ खाई है कि वह इसे करेगा।

586 यीशु ने कहा, "जो मेरे वचनों को सुनता है, और मेरे भेजनेवाले पर विश्वास करता है, उसके पास अनन्त जीवन है, और मैं उसे अंतिम दिन फिर से जिलाऊंगा। वह न्याय पर कभी नहीं आएगा। वह मृत्यु से जीवन में प्रवेश कर चुका है।" अब इस प्रकार की शपथ के साथ, "परमेश्वर इच्छा रखता है कि हम इसे प्राप्त करें।"

587 अब देखें कि वह यहां क्या कहता है, पौलुस वो—वो कलीसिया से बात कर रहा है।

... जिन के विषय में परमेश्वर का झूठा ठहराना असंभव है,... हमारा दृढ़ता से ढाढ़स बन्धना चाहिए,...

ना ही, "खैर, यदि बैपटिस्ट मेरे साथ सही व्यवहार नहीं करते हैं, तो मैं मेथोडिस्ट के पास चला जाऊंगा।" देखा?

... हमारा दृढ़ता से ढाढ़स बन्धना चाहिए, *जो शरण लेने को इसलिये दौड़े है, कि उस आशा को जो साम्हने रखी हुई है प्राप्त करें;*

588 अब अंतिम भाग को पढ़ते हुए।

वह आशा हमारे प्राण के लिये ऐसा लंगर है,...

वह आशा, परमेश्वर की ली हुई शपथ, *हमारे प्राण के लिये ऐसा लंगर है जो स्थिर और दृढ़ है, और जो परदे के अंदर तक प्रवेश करता है।*

589 आइये हम थोड़ी देर "उस परदे," पर बात करते हैं। पिछले रविवार की रात हमने इसे बहुत अच्छी तरह से नहीं लिया।

590 "परदे में।" पर्दा वो देह होती है। पर्दा वह है जो हमें परमेश्वर को आमने–सामने देखने से रोकता है, इस कलीसिया में। पर्दा वह है जो हमें आज सुबह दूतों को उनके स्थान पर, आसनों के पास खड़े हुए देखने से रोकता है। पर्दा वह है जो हमें उसे देखने से रोकता है। हम परदे के पीछे छिपे हैं, और वह पर्दा देह है। हम परमेश्वर के बेटे और बेटियां हैं, हम परमेश्वर की उपस्थिति में हैं, "परमेश्वर के दूत उन लोगों के चारों ओर डेरा डाले रहते हैं जो उससे डरते हैं।" हम हर समय परमेश्वर की उपस्थिति में हैं। "मैं तुम्हे कभी ना छोडूंगा, और न कभी तुझे त्यागूंगा। मैं हमेशा तुम्हारे साथ रहूंगा, अंत तक भी।" लेकिन पर्दा तो देह है, यही है वो जो हमें उसकी उपस्थिति से दूर रखता है। लेकिन प्राण, आत्मा में से होते हुए, हमारे विश्वास के द्वारा हम जानते हैं कि वह हमें देख रहा है। वह हमारे साथ ही खड़ा हुआ है। वह अब यहाँ पर है।

591 वहां दोतान में, एक सुबह, एक वृद्ध भविष्यव्यक्ता सेना से घिरा हुआ था और उसका सेवक बाहर जाकर और कहने लगा, "ओह पिता, पूरा देश विरोधी लोगों से घिरा हुआ है।"

592 और एलिय्याह ने खड़े होकर कहा, "क्यों, पुत्र, जितने उनके पास है, उससे कहीं अधिक हमारे पास है।"

593 खैर, उसने आँखें झपकाई और चारों ओर देखा। उसे कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था।

594 उसने कहा, "परमेश्वर, मैं चाहता हूं कि आप उसकी आंखें खोल दें, परदे को हटा दें।" और जब उसकी आंखों पर से परदा गिर गया, तो उस बूढ़े भविष्यद्वक्ता के चारों ओर अग्नि के रथ थे, पहाड़ों में दूतों और रथों के साथ आग लगी हुई थी। वहां आप हैं।

595 ओह, तब गेहजी कह सकता था, "मैं—मैं अब मैं समझा।" देखो, परदा गिर गया था। वहीं है जहां पर रुकावट है।

596 यहाँ है ये। इसे कस कर पकड़ो। पर्दा ही वो है जो हमें उस तरह जीने से रोके रखता है जैसा हमें जीना चाहिए। पर्दा वह है जो हमें उन चीजों को करने से रोक रखता है जो हमें वास्तव में करना चाहते हैं। और परमेश्वर देह में परदा हो गया, और पर्दा दो टुकडा हो गया। और परमेश्वर फिर से परमेश्वर बन गया, और उस ने उस परदे को उठा दिया, जिसमें उसने अपने आप को छिपाया था। यही प्रभु यीशु का पुनरुत्थान है। हमें यह साबित करते हुए कि इस परदे में, जिसमें हम अब छिपे हुए हैं, विश्वास के द्वारा हम इस पर भरोसा करते हैं और इसे स्वीकार करते हैं। और जब *यह* परदा दो टुकड़े हो जाता है, तो मैं इस आश्वासन के साथ उसके उपस्थिति में चला जाऊंगा, यह जानते हुए कि, "मैं उसे उसके पुनरूत्थान की सामर्थ में जानता हूं।" प्रभु यीशु के आगमन पर, यह परदा फिर से उठा लिया जाएगा, एक सिद्ध तरीके से, इतना तक कि मैं अपने उद्धारकर्ता और मेरे परमेश्वर के नाई उसके साथ चलूंगा और बात करूंगा, जब वह दाऊद के सिंहासन को ले लेता है। और हम हमेशा के लिए इस परदे में रहेंगे इसके सिद्ध होने के बाद, लेकिन इस परदे में पाप है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कैसे... इस धरती पर उस महिमावंत देह के बारे में कभी मत सोचना। इसे मरना ही है, जैसे आपके प्राण को मरना ही है, फिर से जन्म लेने के लिए।

597 सिद्धता में, ना ही मांस को खाना, और *ऐसा* करते हुए, और शरीर को सिद्ध बनाते है, आपके पास यह कभी नहीं होगा। और आपको *इसे* छोड़ना होगा, और *यह* करना होगा, और *यह* करना होगा, और *यह* करना होगा, यही तो व्यवस्था है। यही तो नियमवाद है। हम उद्धार के नियम विधियों में

विश्वास नहीं करते हैं। हम यह विश्वास करते हैं कि अनुग्रह के द्वारा हम बचाए गए हैं। और यह आप नहीं हो। आपका इससे कोई लेना–देना नहीं है। यह तो परमेश्वर का चुनाव है जो इसे करता है। "कोई भी मनुष्य मेरे पास नहीं आ सकता, जब तक पिता उसे न खींच ले आए।" यह सही है। ओर वो... यीशु केवल उन्हें लेने के लिए आया था जिसे पिता पहले से ही जानता था; और उन्हें जगत की नींव डालने से पहले से परमेश्वर के पुत्र और पुत्रियां होने के लिये ठहराया। आमीन। "वो नहीं जो दौड़ता है, और ना ही वह जो चाहता है, लेकिन जिस पर परमेश्वर दया को दिखाता है।" परमेश्वर ही है जो इसे करता है। आप बिल्कुल बढाई नहीं मार सकते। ऐसी कोई चीज नहीं है जो आपने की है। परमेश्वर ने अनुग्रह के द्वारा, आपको बचाया; ना ही आप, अपने आप को। यदि आप करते, तो आपके पास बढाई मारने के लिए कुछ तो होता था। लेकिन आपके पास बढाई मारने के लिए कुछ भी नहीं है। सारी स्तुति–प्रशंसा उसी को जाती हैं। यह वही है। उसके बाद वह आपको निश्चित आशा को देता है, "एक शपथ को लिया, ये उसके बच्चों के लिए असंभव है कि वे कभी भी नाश होगे।"

598 अब, उनके गलत काम करने पर कोड़े लगते हैं। जो बोओगे वही काटोगे। आपको वो मिलता है। अब यह मत सोचो कि अब आप बाहर जाकर और पाप करोगे, इस बात के साथ जाओगे। यदि आप ऐसा करते हैं, और आपके पास ऐसा रवैया है, तो यह दर्शाता है कि आपने कभी फिर से जन्म नहीं लिया है। आपने इसे समझा? यदि आपके अंदर अभी भी गलत करने की इच्छा है, तो आप अभी भी गलत हैं। समझे? "क्योंकि उसने उन्हें, हमेशा के लिए सिद्ध कर दिया है जो... और वे पशु जो पुराने नियम के नीचे, नियम के दिनों के नीचे, हर वर्ष, उनका लगातार बलिदान चढ़ाया करते है, कभी भी पाप को दूर नहीं कर सके।" लेकिन जब हम अपने हाथ उस पशु के सिर के ऊपर रखते हैं, और अपने पापों को मान लेते हैं, और परमेश्वर के आत्मा से नया जन्म पाते हैं, हमें पाप की अब और इच्छा नहीं होती है। पाप आपसे दूर हो गया है। यह समय के लिए और अनंतता के लिए है।

599 आप गलतियों को करेंगे। आप गिरेंगे। आप जानबूझकर गलत करेंगे। आप कभी तो बाहर जाओगे और चीजों को करोगे। इसका मतलब यह नहीं है कि आप नष्ट हो गए हैं। इसका मतलब है कि आपको सुधार मिलने वाला है।

600 मेरा छोटा लड़का, बहुत सी बार, मेरे बच्चे, उन चीजो को करेंगे। आपके भी करते है। कि आप... वे जानते हैं कि यह आपके—आपके नियमो के विरुद्ध है। और वे जानते हैं कि जब वे ऐसा करते हैं तो क्या उम्मीद करनी चाहिए। उन्हें इसके लिए कोड़े मिलेंगे, कभी–कभी एक अच्छा वाला। लेकिन यह अब भी आपका बच्चा होता है। निश्चित रूप से।

601 ये उस मनुष्य का फिर से कभी पीछे जाना असंभव होगा, जो एक बार अनंत जीवन से जन्मा है। परमेश्वर एक भारतीय देने वाला नहीं है। "जो मेरे वचन को सुनता है, और मेरे भेजनेवाले पर विश्वास करता है, उसके पास अनन्त जीवन है; और न्याय में कभी भी नहीं आयेगा, लेकिन मृत्यु से पार होकर जीवन में प्रवेश कर चूका। मैं उसे अंतिम दिनों में जिला उठाऊंगा।" यही परमेश्वर की प्रतिज्ञा है।

602 अब यदि आप आगे बढ़कर, कहते है, "ओह, ठीक है, तो मैं अब कर सकता हूँ... " मैं हमेशा वही करता हूं जो मैं करना चाहता हूं। लेकिन यदि आप एक मसीही हैं, तो आप वह काम नहीं करना चाहेंगे जो गलत है, क्योंकि वही जीवन आपके अंदर है, वही बुनियाद। यदि आप गलत करना चाहते हैं, तो यह दर्शाता है कि *यहां* पर गलत चीज है। "एक ही सोते से कड़वा और मीठा जल कैसे निकल सकता है? "

603 तो आप पूरी तरह से किसी न किसी तरह के भावना, या काल्पनिक *कुछ तो अलग ही* सनसनी में उलझे हुए हैं: इसे भूल जाओ! वेदी के पास वापस जाकर और कहे, "परमेश्वर, मेरे पुराने पापी जीवन को ले लीजिये, और मुझे ऐसी अवस्था में डालिये कि मेरी सारी इच्छा... "

"वो जो परमेश्वर से जन्मा है वह पाप नहीं करता।" यह सही बात है। उसे ऐसा करने की कोई इच्छा नहीं होती है।

604 निश्चय ही, शैतान उसे *यहाँ* और *वहां* फँसाएगा, लेकिन ना ही वो इच्छा से करेगा। बाईबल ने ऐसा कहा। शैतान उसे कभी न कभी फँसाएगा। निश्चय ही, वह करेगा। उसने हमारे प्रभु यीशु के लिए जाल फेंकने की कोशिश की। उसने मूसा के लिए किया, और उसे पकड़ लिया। उसने पतरस से किया, और उसे पकड़ लिया। उसने बहुतों के लिए किया, लेकिन... पतरस ने उसका यहाँ तक इन्कार भी किया, लेकिन बाद में जाकर वह फूट–फूट कर रोने लगा। उसके अंदर कुछ तो था।

605 जब पिंडुक को जहाज से बाहर छोड़ा गया... कौवा बाहर गया, उसने यहाँ–वहां काँव–काँव किया। वह जहाज़ में बिलकुल ठीक था, लेकिन जब वह बाहर निकला, तो उसका स्वभाव अलग ही था। वह उन सभी पुरानी मरी हुई लोथो को खा सकता था जो वह चाहता था, और संतुष्ट हो सकता था। क्यों? वह आरंभ से ही एक कौआ था। वह एक गंदगी में भोजन ढूंढने वाला था। वह अच्छा नहीं था। वह एक पाखंडी था जो पिंडुक के साथ बसेरे पर बैठता, बस उतना ही बड़ा जितना पिंडुक था। वह कहीं भी उड़ सकता था जैसे पिंडुक उड़ सकता था। लेकिन वह पिंडुक की तरह ही अच्छा खाना खा सकता था। और उसके बाद वह सड़ा हुआ खाना खा सकता था, जो पिंडुक नहीं खा सकता था। क्योंकि, पिंडुक एक भिन्न मेल–जोल वाला है। वह एक भिन्न बना हुआ है। वह एक पिंडुक है। और पिंडुक सड़ा हुआ भोजन नहीं पचा सकता, क्योंकि उसमें पित्त नहीं होता है।

606 और एक मनुष्य जो परमेश्वर के आत्मा से जन्मा है वह परमेश्वर का पिंडुक बन जाता है, उसका स्वभाव, उसका बदलाव, उसकी रूप–रेखा। जी हां, श्रीमान। आप पिंडुक की—की आत्मा को कौवे में डाले, वह कभी भी मरे हुए लोथ पर नहीं बैठेगा। यदि वह गलती से नीचे उतर गया, तो वह निश्चित रूप से तुरंत ही दूर चला जाएगा। वह इसे बर्दाश्त नहीं कर सकता। और एक मनुष्य परमेश्वर के आत्मा से जन्मा है, वह बरदाश्त नहीं करता। वह कभी तो शराबखाने में उतर सकता है, लेकिन वह वहां से जल्दी से बाहर निकल जाएगा। एक महिला उसे लुभा सकती है, उसे घुम कर देखने को लगा सकती है, लेकिन वह फिर से अपना सिर घुमा देगा। वह वहां से जल्दी से निकल जाएगा। क्यों? वह एक पिंडुक है। यह सही है। आप उसे मूर्ख नहीं बना पाएंगे, क्योंकि वह इसे जानता है। "मेरी भेड़ें मेरी आवाज़ को पहचानती हैं, और वे पराये के पीछे नहीं जायेगी।" वह एक पिंडुक है, आरंभ से ही। मैं जिसके बारे में बात कर रहा हूं, वह वास्तविक चीज है जो वहां लंगर डालती है।

607 अब ध्यान से देखें। "परमेश्वर ने शपथ ली।" ओह, यह...

वह आशा हमारे प्राण के लिये ऐसा लंगर है जो स्थिर और...
दृढ़ है, और परदे के भीतर—भीतर तक पहुंचता है;

608 "परदा।" परमेश्वर नीचे उतर आया, देह में पर्दा हुआ। क्या करने के लिए? खुद को दिखाने के लिए। उसे छिपना था, क्योंकि हम उसे देख नहीं

सके। और वह परदे के पीछे छिप गया। और पर्दा कौन था? यीशु। "यह मैं नहीं, जो काम को करता है, मेरा पिता है," यीशु ने कहा। "मेरा पिता मुझ में वास करता है। मैं काम करता हूं। मेरा पिता अब तक काम करता है, और मैं भी काम करता हूं।" यहाँ है ये जो एक पर्दा किये हुए के नाई है, देह में चल रहा है, परमेश्वर, इम्मेनुएल, परमेश्वर हमारे साथ। "परमेश्वर ने मसीह में होकर संसार को अपने साथ मेल मिलाप कर लिया था।" यहाँ है वो, यहाँ–वहां चलते हुए।

609 अब, वह नीचे आया और एक पवित्रीकरण को किया, या प्रबंध किया, या प्रायश्चिता, जिसे उसकी मृत्यु के द्वारा भेट चढ़ाया गया, पाप के दाम को चुकाया, ताकि वह वापस आकर और हम में वास करे। फिर हमारे पास जो विश्वास है वह एक—एक पर्दा किया हुआ विश्वास है, मेरा मतलब एक पर्दा किया हुआ व्यक्ति है। इसलिए हम उन चीज़ों को नहीं देखते जो हम इस परदे में देखते हैं। परदे में शिक्षायें है, और यह बातों को करता है और बातों को बोलता है। यह एक विज्ञान संबंधी बात है। लेकिन जीवित परमेश्वर का आत्मा जो यहां वास करता है, उन चीजों को ऐसा बताता हैं जो नहीं है, मानो कि वे है, यदि परमेश्वर ने ऐसा कहा। वहां पर आपका परदा है। हम परदे में हैं।

610 अब, किसी दिन वह इस परदे को ऊपर उठाएगा, ना ही पुरुष और स्त्री की यौन इच्छा से स्त्री से जन्मा हुआ है, लेकिन परमेश्वर की इच्छा से, वह बोलेगा और वह पूरा होगा। तब हमारे पास उसके खुद के महिमावंत शरीर के समान शरीर होगा। हम पर्दे में रहेंगे, जिससे कि हम एक दूसरे से बात कर सकें, एक दूसरे से हाथ मिला सकें।

611 अब, जब हम यहां से चले जाते हैं, तो वहां पर एक भवन है, एक दैविक शरीर, जो बस एक मनुष्य का स्वरुप है, जो खाता नहीं है, न पीता है, न सोता है, हमेशा जागते रहता है। वहाँ है ये जहाँ पर हम जाते हैं। लेकिन वे वेदी के नीचे प्रतीक्षा कर रहे हैं, पुकार रहे हैं, "प्रभु, कब तक? कब तक? " वापस नीचे आने के लिए। क्योंकि, वे एक दूसरे के साथ हाथ मिलाना चाहते हैं। वे बैठकर और खाना चाहते हैं, और एक दूसरे के साथ बात करना चाहते हैं। वे मनुष्य हैं। प्रभु का नाम धन्य हो!

612 जब परमेश्वर ने आरम्भ में मनुष्य को अपने स्वरूप में बनाया, तब उसने उसे ऐसा ही बनाया। उसने एक दूसरे के साथ संगति की, क्योंकि

हम एक दूसरे को जानते हैं। हम उन चीज़ों को पसंद करते हैं जो परमेश्वर ने हमें बनाया है, क्योंकि हम ऐसे ही बनाए गए हैं। उसके महान आगमन में, वे जो तैयार हैं हमेशा के लिए ऐसे ही रहेंगे। अमरहार, हम उसकी समानता में खड़े होंगे। ओह, धन्य है वह मसीह का नाम!

613 और अब हमारे पास हमारे उद्धार का बयाना है, जब हम उसे अपने व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में, हमारे चंगाकर्ता के रूप में स्वीकार करते हैं। ये सब पुरस्कार हैं, या बीमा पॉलिसी पर भुगतान किए गए का लाभांश हैं। आमीन। आप जानते हैं कि बीमा पॉलिसी क्या होती है। अंकित मूल्य आने तक आप उस पर लाभांश को निकाल सकते हैं। निश्चित रूप से। आप लाभांश को निकाल सकते हैं। और अब हम लाभांश को निकाल रहे हैं। केवल, बात ऐसी है, जैसे ही हम लाभांश को निकालते हैं, क्षतिपूर्ति या हर्जाने की फिर से बढ़ोतरी हो जाती है।

614 एक बीमा एजेंट ने एक बार मुझसे कहा, "बिली, मैं तुम्हें कुछ बीमा बेचना चाहता हूँ।"

मैंने कहा, "मेरे पास कुछ हैं।" मेरी पत्नी ने मेरी ओर देखा।

615 अब, बीमा के विरोध कुछ भी नहीं। लेकिन कुछ लोग "बीमा पर निर्भर" होते है। तो, वे पीछे मुड़े। उसने कहा...

616 मेरी पत्नी ने मेरी ओर देखा, अजीब तरह से, "आपने बीमा करवाया? "

617 मैंने कहा, "निसंदेह।" वह इसके बारे में कुछ नहीं जानती।

618 उसने कहा, "अच्छा, बिली, आपने किस तरह का बीमा करवाया है? "

619 मैंने कहा:

धन्य आश्वासन, यीशु मेरा है!
ओह, दिव्य महिमा का क्या ही पूर्वाभास है!
उद्धार का वारिस, परमेश्वर का खरीदा हुआ,
उसकी आत्मा से जन्मा, उसके लहू में धुला हुआ।

620 उसने कहा, "यह तो बहुत अच्छा है, बिली," उसने कहा, "लेकिन यह आपको यहाँ कब्र के स्थान में नहीं डालेगा।"

621 मैंने कहा, "लेकिन यह मुझे बाहर निकालेगा। यही वो मुख्य बात है।" मैं वहां पर जाने की चिंता नहीं करता हूं; मुझे वहां से बाहर निकलने की चिंता है।

622 और क्योंकि मेरे पास आश्वासन है, अनंतता की शपथ परमेश्वर के द्वारा, कि वह मुझे अपने पुत्र की समानता में फिर से जिला कर खड़ा करेगा, अंतिम दिन में, मैं साहस से चलूंगा और मेरे पास धैर्य होगा और प्राण का लंगर होगा, कि, जब तक मैं इस परदे में हूँ, वहाँ पर कुछ अनदेखा है कुछ तो मुझे युगों की चट्टान पर लंगर को डाल रखा है। जब पानी उछलता है और जोर से आवाज़ करता है, तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। यदि मृत्यु, जोखिम, या कुछ भी हो, हमें परमेश्वर के प्रेम से अलग नहीं करता है। मेरा लंगर परदे के भीतर है। बाढ़ को ऊपर उठने दो। उसे तेजी से आने दो। विधर्मियों को आने दो। नया जन्म पाए हुए विश्वासी के पास एक लंगर है। आप अभी तक इस परदे में से होकर नहीं देख सकते हैं। लेकिन मैं जानता हूँ कि मेरा लंगर युगों की चट्टान पर लगा हुआ है, जो शपथ खाकर प्रतिज्ञा करता है कि वह मुझे अंतिम दिन में फिर जिला कर खड़ा करेगा।

623 कोई आश्चर्य नहीं कि आप मृत्यु को सामने देख सकते हैं, और कह सकते हैं, "तेरा डंक कहाँ है? कब्र, तेरी विजय कहाँ है? लेकिन परमेश्वर का धन्यवाद हो, जो हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा हमें जयवन्त करता है।"

अगुआ की रीति पर...

ओह, प्रभु! हम विषय को नहीं ले पाएंगे।

हमारे लिये... अगुआ की रीति पर

624 एक आगे–आगे जाने वाला। क्या आपने कभी ध्यान दिया, पुराने पश्चिमी दिनों में (बहुत सी बार मैं उन पुरानी पगडंडियों के पार गया हूँ।), एक आगे–आगे जाने वाला अग्रदूत, या पता लगाने वाला खोजी? जब ट्रेन का डब्बा जल रहा था, तो पानी के लिए, पता लगाने वाला खोजी आगे–आगे चला गया। और उसने भारतीयों की जनजातियों को देखा; उसने उन्हें दरकिनार करके आगे निकल गया। और उस ने देखा, कि कहां पर जल का झरना था। वह ट्रेन के डब्बे के मालिक को बताने के लिए पीछे दौड़ा, "घोड़ों पर चढ़ जाओ, हर एक जन अच्छी तरह हिम्मत बांधो, क्योंकि

पर्वत के ठीक ऊपर जल का एक बड़ा सोता है।" वह एक आगे–आगे जाने वाला अग्रदूत है।

625 और यहाँ पर, आगे–आगे जाने वाला अग्रदूत। मनुष्य एक बार तेज आग के नीचे, शैतान के द्वारा जकड़े हुए थे, लेकिन किसी ने मशीन–गन के डेरे को लिया। वह यीशु था। अग्रदूत हमसे आगे–आगे जा चूका है। और शैतान एक मशीनगन के साथ वहाँ खड़ा हुआ है, हमें जकड़े हुए है, हमेशा गुलामी में और मृत्यु से डरे हुये। वह उस सोते की पहरेदारी कर रहा था। निश्चय ही, वह कर रहा था। उसे आज्ञा दी गई थी, क्योंकि हमने पाप किया था और इससे दूर कर दिया गया था। लेकिन आगे–आगे जाने वाला अग्रदूत, मसीह, अंदर आकर और डेरे को ले लिया।

626 आपने वह पुराना गाना सुना है, "गढ़ या किले को थामे रहो, क्योंकि मैं आ रहा हूँ"? गढ़ को थामे रहो, कुछ नहीं; आइये इसे ले ले। हम इसे अब और पकड़ कर नहीं रखना चाहते। मसीह ने गढ़ या किले को ले लिया। हाल्लेलुय्या! दरवाजा खुला है। "दाऊद के नगर में, परमेश्वर के भवन में एक खुला सोता है, शुद्ध करने के लिए, अशुद्धों को शुद्ध करने के लिए।" हमारे आगे–आगे जाने वाले अग्रदूत ने हमारे लिए प्रवेश किया है।

627 आगे–आगे जाने वाला अग्रदूत, वह हमें बताता है, "इसके ठीक उस ओर एक स्थान है, उधर, जहां आप कभी बूढ़े नहीं होंगे।" जहां पर कोई झुर्रियां नहीं पड़ेगी, जहां आपको अपने पति के लिए अच्छा दिखने के लिए मैक्स फैक्टर के उत्पादन का उपयोग नहीं करना पड़ेगा। आगे–आगे जाने वाला अग्रदूत आगे चला गया है। वहां ऐसा कोई भी स्थान नहीं है जहां आप बूढ़े और थके हुए और कमजोर हो जाएं। एक ऐसा स्थान है जहाँ आप कभी बीमार नहीं पड़ेंगे। जहां बालक को कभी पेट का दर्द नहीं होगा। जहां आप कभी नकली नहीं लगाओगे, मेरा मतलब, एक दांत, एक नकली दांत को लगाने के लिए। हाल्लेलुय्या! ओह, धन्य है उसका नाम! उसने प्रवेश किया, और अमरहार हम किसी दिन उसकी समानता में खड़े होंगे। तारे और सूरज वे चमकने लगेंगे। निश्चिय ही। आगे–आगे जाने वाला अग्रदूत हमसे पहले जा चूका है।

... अग्रदूत चला गया है, हमारे लिए प्रवेश कर चूका है, यहाँ तक यीशु, जहां मलिकिसिदक की रीति पर सदा काल का महायाजक बन गया।

628 यह महान आगे–आगे जाने वाला अग्रदूत रास्ता बनाते हुए हमसे पहले चला गया है। वह आत्मा से, परमेश्वर के मेघधनुष का बडा सोता बन गया हैं, जिसका न आदि है और न अंत। वह हमेशा के लिए परमेश्वर था।

प्रकाश की यह किरण आगे निकल गयी। यह प्रेम की किरण थी, यही वो मुख्य है, लाल। उसके बाद के रंग इस प्रकार से है, जो नीला था; नीला, सच्चाई। इसके बाद, उसके बाद के अन्य रंग थे, सात सिद्ध रंगों में से होते हुए, जो कि परमेश्वर की सात आत्माएं हैं, जो उस बड़े सोते या उस बड़े हीरे में से निकली, जिसके विषय में यीशु ने बताया था। इन रंगों को प्रतिबिंबित करने के लिए उस महान हीरे को तराशा या काटा गया था। परमेश्वर देहधारी हुआ और हमारे बीच में रहा, जिससे कि वह दानों, और चिन्हों, और अद्भुत कामों के द्वारा हम में उसकी भलाई और दया को प्रगट कर सके। वह सारा बड़ा मेघधनुष एक दैविक शरीर बन गया था, जो मनुष्य के जैसे स्वरुप में बना था, फिर भी वह एक मनुष्य नहीं था, उसके पास अभी तक देह नहीं थी, वह एक दैविक शरीर था।

629 मूसा ने कहा, "मैं आपको देखना चाहूंगा।" परमेश्वर ने उसे चट्टान में छिपा दिया।

630 और जब वह पास से होकर गुजरा, तो उस ने उसकी पीठ फेर ली। मूसा ने कहा, "यह किसी मनुष्य की पीठ की तरह दिखाई दिया।"

631 फिर क्या हुआ? एक दिन वहां पर, जब अब्राहम उसके तंबू में बैठा था। हम इसे आज रात को ले लेंगे। जब अब्राहम अपने तम्बू में बैठा हुआ था, तब परमेश्वर मांस के शरीर में होकर उसके पास आया।

"ओह," आप कहते है, "भाई ब्रंहम, वह था... "

632 हम उसे ठीक यहीं अब्राहम से मिलते हुए पाएंगे, उससे पहले, मलिकिसिदक की रीति पर, मांस का एक शरीर, जो परमेश्वर था। निश्चय ही, यह था। वह देह में परमेश्वर था।

633 आप कहते है, "तब, भाई ब्रंहम, उसे क्यों फिर से वापस आकर और जन्म लेना है? "

634 वह तब जन्मा नहीं था। वह तो तब बनाया गया था, एक शरीर जिसमें वह वास कर रहा था। मलिकिसिदक शालेम का राजा था, जो यरूशलेम का राजा है, जो शांति का राजा है; जिसका न तो कोई पिता था और न ही माता, ना ही दिनों की शुरुआत या जीवन का अंत।

यीशु के पिता और माता दोनों थे, और उसके दिनों की शुरुआत और जीवन का अंत था। लेकिन वो बनाया गया था मलिकिसिदक की "उस रीति के अनुसार" जिसका न तो दिनों का आरम्भ था और न जीवन का अन्त।

635 मलिकिसिदक स्वयं परमेश्वर था। मलिकिसिदक यहोवा परमेश्वर था, वही वो एक था जो अब्राहम से वर्षों बाद उसके तंबू के सामने भेंट की थी। उसकी पीठ को उसकी ओर घुमाए हुए; उसने कहा, "सारा क्यों हँसी? " यह सही है। वह वही एक था जो वहाँ खड़ा हुआ सदोम की ओर देख रहा था। अब्राहम ने उसे पहचान लिया, क्योंकि उसके परदे के भीतर उस प्रतिज्ञा को थामे हुए लंगर किये हुए था। इसलिए नहीं कि उसे कुछ सनसनी अनुभूति हुई थी, लेकिन परमेश्वर ने उससे प्रतिज्ञा की थी। और जब वह उस महान चुम्बक के संपर्क में आया, तो वह जान गया कि ये उस देह में है।

636 अब्राहम के साथ बाहर चलकर गया, वहाँ एक छोटा सा टुकड़ा। उसने अब्राहम को बताया। कहा, "यह देखते हुए, कि मैं इन बातों को अब्राहम से छिपाए ना रखूंगा, कि देखते हुए वह जगत का वारिस है? मैं बस ऐसा नहीं करूँगा।" इसलिए, "अब्राहम, मैं तुझे बताता हूँ कि मैं क्या करने के लिए अपने रास्ते पर हूँ," हम इसे आज रात को ले लेंगे, "वहां नीचे सदोम में," और वे सब क्या करने जा रहे थे। और जैसे ही उसने अब्राहम को आशीष दी, वह वापस फिर से अंतराल में चला गया। एक पुरुष जो वहाँ खड़ा था और उसके कपड़ों पर धूल थी, एक पुरुष। और इतना ही नहीं, लेकिन उसने अब्राहम के मारे हुए बछड़े का मांस भी खाया, और गाय का दूध पिया, और कुछ अनाज की छोटी रोटियां (कुछ मकई की रोटी) खायी, और उस पर मक्खन लगा हुआ था। यह बिल्कुल सही है। और फिर वापस एक दैविक शरीर में बदल गया।

637 यह क्या था? उसने इसे तब क्यों नहीं लिया? वह आपके और मेरे जैसा कभी भी जन्मा नहीं था। लेकिन उसे शरीर में जन्म लेना था, ताकि वह उस डंक को पकड़ सके। वह एक निर्मित किया हुआ शरीर था। वह एक शरीर था जिसे उसने बस कैल्शियम और पोटाश को धरती पर से बाहर निकाला, और कहा, "व्हुफ़," और उसमें कदम रखा। यह भी वही चीज था जो मलिकिसिदक था। उसने उसके अंदर कदम रखा, एक ऐसे

शरीर में जिससे पर्दे के अन्दर उसके सामने चल सके, उसका एक पर्दा जो उसकी खुद की सृष्टी थी; ना ही एक स्त्री का सृष्टी किया पर्दा, स्त्री के गर्भ के द्वारा, एक—एक जीवकोष के जरिये से, कभी नहीं। लेकिन उसने इसे बनाया और उसमें कदम को रखा, और मलिकिसिदक के रीति में बात की।

638 यह मलिकिसिदक कौन है?

> *क्योंकि यह मलिकिसिदक, शालेम का राजा* (जो यरूशलेम है), *सर्वोच्च परमेश्वर का* राजकुमार, (निश्चित रूप से), *जब अब्राहम राजाओं को मार कर लौटा जाता था, तो इसी ने उस से भेंट करके, और उसे आशीष दी;*
>
> *इसी को अब्राहम ने सब वस्तुओं का दसवां अंश भी* दिया; *यह पहले अपने नाम के अर्थ के अनुसार, धार्मिकता का राजा था,* (वह महान प्रेम, वह महान आत्मा आदि में)... *धार्मिकता का राजा,... इसके बाद... शालेम का राजा, जो शांति का राजा है;*
>
> *जिस का न पिता, न माता, न वंशावली है, जिस के न दिनों का आदि है,* या *न जीवन* का अन्त है;...

639 ये कौन था? वह कभी भी जन्मा नहीं था, वह कभी भी मरेगा नहीं। ये कौन है? यह परमेश्वर था, निश्चय ही, यह प्रभु यीशु की पूर्वछाया में था। निश्चय ही था। लेकिन उसे एक स्त्री के जरिये से आना था, जिस क्रम में आप एक स्त्री के जरिये से आये हैं। और उसे वैसे ही आना था जैसे आप आये हो, जिससे कि आप उसके पास वापस लाये जा सके। हाल्लेलुय्या!

> अद्भुत अनुग्रह! कितना मधुर सुनाई पड़ता है,
> मेरे जैसे एक तुच्छ, अंधे अभागे को बचा लिया!
> मैं एक बार खो गया था, लेकिन अब मुझे उसके अनुग्रह
> के द्वारा पा लिया गया है,
> मैं अंधा था, लेकिन अब मैं देखता हूं।

640 मैं समझता हूं कि उसे क्या करना था। परमेश्वर मैं बन गया, जिससे कि मैं उसके अनुग्रह के द्वारा उसका बन जाऊं। उसने मेरे पापों को ले लिया, ताकि मैं उसकी धार्मिकता के द्वारा अनन्त जीवन को पा सकूं। मैं खुद को नहीं चुन सकता। मेरा स्वभाव पापी था। मेरा इसके साथ कोई लेना

देना नहीं था। मैं "संसार का जन्मा, अधर्म में आकार लिया, झूठ बोलते हुए संसार में आया।" एक मौका भी नहीं, बिलकुल भी नहीं; कुछ भी नहीं, यहाँ तक एक इच्छा भी नहीं।

641 एक सुअर को बताओ कि वो "गलत है, कीचड़ को खा रहा है," क्या आप बोलेंगे? देखना कि वह आपकी कितनी सुनता है। एक कौवे को बताओ कि वह "गलत है, मरे हुए लोथो पर भोजन कर रहा है," और देखें कि वह आपको क्या बताएगा। यदि वह बात कर सकता तो कहता, "तुम अपने खुद के काम में ध्यान दो।" निश्चय ही।

642 ओह, लेकिन परमेश्वर का अनुग्रह जिसने इस स्वभाव को बदल दिया, और मुझे इच्छा रखने और लालसा करने और प्यास लगने के अवसर को देता है, "तेरा प्रेम–करुणा मेरे लिए जीवन से बेहतर है, हे परमेश्वर। मेरा हृदय तेरे लिए तरसता है।"

643 दाऊद ने कहा, "जैसे हरिणी नदी के जल के लिये हांफती है, वैसे ही हे परमेश्वर, मेरा प्राण तेरे लिये प्यासा है।"

644 परमेश्वर ने मनुष्य को उस प्यास को दिया, कि उसकी आराधना करें, कि उससे प्रेम करें, कि उसके लिए खोज करें। लेकिन मनुष्य शैतान के बताने से इसे बिगाड़ करता है, और जाकर स्त्री और सुख–विलास और संसार की चीजो की अभिलाषा करने लगता है। उस पवित्र रचना को संतुष्ट करने की कोशिश करता है जिसे परमेश्वर ने डाला है, ताकि उससे प्रेम करें। वह इस प्यास को संसार की चीजो पर रखता है। लेकिन, भाई, जब वह एक बार बदल जाता है, और वह झरना जिसमें पानी के कीड़े होते हैं, सभी प्रकार के—के गड्ढे के अव्यवस्थाओ को साफ कर देता है और कीटाणुरहित बना देता है, और उसमें परमेश्वर का शुद्ध जल डाला जाता है, पाप उसे छू नहीं सकता। आमीन।

ओह, मैं उससे कितना प्रेम करता हूँ! मैं उसे कितना
चाहता हूँ!
मेरा जीवन, मेरी सूर्य की चमक, मेरा सब कुछ!
वो महान रचयिता मेरा उद्धारकर्ता बन गया,
और परमेश्वर की सारी परिपूर्णता उसी में वास करती
है।

वहां उसकी महिमा से, हमेशा बने रहने वाली कहानी,
मेरा परमेश्वर और उद्धारकर्ता आया, और यीशु उसका
नाम था।
चरनी में जन्मा, उसके अपनों के लिए पराया,
दुःख, आँसू और पीड़ा का परमेश्वर।
ओह, मैं उससे कितना प्रेम करता हूँ! मैं उसे कितना
चाहता हूँ!
मेरी सांसें, मेरी सूर्य की चमक, मेरा सब कुछ!

645 हे परमेश्वर! वह भला इसे कैसे कर सकता है? मनुष्य ने इसे लिखने का प्रयास किया है। एक ने कहा:

यदि हम स्याही से सागर को भरते हैं,
और धरती का हर एक तिनका कलम हो जाये;
सारा आकाश चमड़े का कागज बन जाए,
और हर मनुष्य व्यवसाय से एक लेखक बन जाए;
ऊपर परमेश्वर के प्रेम को लिखने के लिए

स्वर्ग का वह महान परमेश्वर कैसे देहधारी बन गया और उसने मेरे पापों को ले लिया!

ऊपर परमेश्वर के प्रेम को लिखने के लिए
ये समुंद्र को सूखा देगा;
या हालांकि वो लिखने की पत्री पूरी इससे भर जाएगी,
भले ही आकाश से आकाश तक खींचा हुआ है।

646 और इस उद्धार के वारिसों को दृढ आशा देने के लिए, उसने खुद की शपथ खाई कि वह हमें अंतिम दिनों में जिला कर खड़ा करेगा, हमें अनंत जीवन देगा। "और कोई भी उन्हें मेरे हाथ से छीन नहीं सकता।" आमीन।

आइये हम प्रार्थना करें।

647 क्या आप उसके प्रेम को ठुकराने के दोषी हैं? क्या आपने उसके धन्य अस्तित्व में होने से किनारा कर लिया है, इस महान जन ने आपको वो बनाया है जो आप हैं? और अब आप यहाँ पर हैं, इस सुबह, जीवन में इतनी दूर, और यह आपको एक अवसर दे रहा है। क्या आप जीने को जारी रखना चाहते हैं? जीने का केवल एक ही तरीका है, वह है प्रभु यीशु

पर विश्वास करना। यदि आप, अपने हृदय से, विश्वास करते हैं कि वह परमेश्वर का पुत्र है और उसे अपने उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार करते हैं, और विश्वास करते है कि परमेश्वर ने उसे आपके धर्मी ठहराने के लिए उसे जिला कर खड़ा किया, यदि आप उस आधार पर इसे स्वीकार करना चाहते हो, तो यह अब आपका है।

648 क्या आप अपना हाथ ऊपर उठाएंगे? कोई प्रायश्चित करने वाला प्राण, जो इस सुबह पश्चाताप करना चाहेगा, कहे, "भाई, प्रचारक, मुझे याद रखना जब हम प्रार्थना करने जा रहे हैं। मैं भी हार गया हूं। मैं कलीसिया से जुडा हुआ हूं, लेकिन मैं—मैं जानता हूँ कि मेरे—मेरे पास वो कभी भी नहीं था जिसके बारे में आप बात कर रहे हैं। भाई ब्रंहम, मेरा उस आत्मा से कभी भी जन्म नहीं हुआ है। मैंने बस—मैंने बस इसे नहीं पाया है, ऐसा ही है। मैं चाहता हूँ कि आप मेरे लिए प्रार्थना करें, कि परमेश्वर आज सुबह मुझे इसे दे दे।" परमेश्वर आपको आशीष दे, महोदय। क्या कोई और होगा? कहे, "परमेश्वर, मुझे वह बनाओ जो आप मुझे बनाना चाहते हो। मैं चाहता हूँ आप... मैं वैसा ही बनना चाहता हूं जैसा आप चाहते हैं। मैंने आपके प्रेम को ठुकराया है।" परमेश्वर आपको आशीष दे, पुत्र।

649 अब एक क्षण।

यदि हम स्याही से सागर को भरते हैं,
और चमड़े का कागज का आकाश बनाया गया;
और धरती का हर एक तिनका कलम हो जाये,
और हर मनुष्य व्यवसाय से एक लेखक बने;
ऊपर परमेश्वर के प्रेम को लिखने के लिए
ये समुंद्र को सूखा देगा;
या वो पत्री पूरी इससे भर सकती है,
हालांकि आकाश से आकाश तक फैला हुआ है।

ओह, परमेश्वर का प्रेम, कितना भरपूर और शुद्ध है!
कितना अथाह और गहरा!
यह हमेशा के लिए बना रहेगा,
संत और दूतों के गीत।

650 प्रिय परमेश्वर, वास्तव में जिस कवि ने उन शब्दों को लिखा था, वे आपके विश्वासियो के बहुत से अन्य लोगों की तरह ही था, ढूंढ रहे थे, इसे

व्यक्त करने के लिए शब्दों को खोजने की कोशिश कर रहा था। और बाईबल में लिखा है, "और भी, क्योंकि उपदेशक ज्ञानी था, उसने खोजबीन की और बहुत से शब्दों को क्रम में रखा।" ओह, हम जुबान और शब्दावली के होने को कितना पसंद करेंगे कि हम लोगों को समझा सकें कि यह वास्तव में क्या है, लेकिन इसे नश्वर होठों पर नहीं पाया जा सकता। अनंतता तक, निःसंदेह क्या यह कभी इसे प्रकट करेगा, किस तरह से वो स्वर्ग का परमेश्वर कभी इस धरती पर आया ताकि तुच्छ, खोये हुए, अभागे पापियों को बचाये।

651 मैं आपसे प्रार्थना करता हूं, पिता, कि इन कुछ अखंड शब्दों से, या टूटे–फूटे शब्दों के माध्यम से आज सुबह, जैसा कि मुझे कहना चाहिए, कि किसी ने शांति और संतोष और एक गहरी सांत्वना को पाया है, जो शरण के लिए भागा है। और होने पाए उनके प्राण उस प्रतिज्ञा के अंदर लंगर हो जाए जिसके लिए परमेश्वर ने शपथ खाई थी, कि वह उन्हें अंतिम दिन में जिला कर खड़ा करेगा। भवन में बहुत से हाथ ऊपर उठे हैं, ठीक यहीं यहाँ इस आराधनालय में। परमेश्वर, ठीक अभी उन्हें उस दृढ़ आशा को दीजिये। वे युगों की चट्टान पर लंगर डाले। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि समुद्र कितना ही तेजी से उछाले मारे और उनकी छोटी–छोटी नाव उछलने लगे, उनके पास एक लंगर है, परमेश्वर की प्रतिज्ञा। वहाँ वे बने रहते हैं, "परमेश्वर ने कहा। वह झूठ नहीं बोल सकता।"

652 "वह जो मेरे वचनों को सुनता है," जिसे मैंने आज सुबह प्रचार करने की कोशिश की है, "और उस पर विश्वास करता है जिसने मुझे भेजा है, यहोवा के पास अनन्त जीवन है; और वो न्याय के लिए नहीं आएगा, लेकिन मृत्यु से पार होकर जीवन में पहुंच गया है।"

653 हे अनंत, आज उनको आशीष देना। और होने पाए हर एक व्यक्ति यहाँ पर जो लहू के नीचे नहीं है, उनके प्राण कभी भी परिवर्तित नहीं हुए है, होने पाए यह अभी हो जाए, प्रभु। आप रहस्य के काम को करते हैं। ये सब आपके है। यह आपके लिए समर्पित है। मैं प्रार्थना करता हूं कि आप उन्हें इस अनंत जीवन को देंगे। होने पाए, किसी दिन, दूसरे किनारे पर, जैसे एक–एक करके हम घाटी में से होते हुए वहां पर जाते हैं, होने पाए हम वहाँ पर मिले जहाँ वे कभी भी नहीं कहेंगे "अलविदा" अब और नहीं।

किसी दिन हम समय के समापन पर नदी के पास आएंगे,
जब दुःख के अंतिम विचार जा चुके हों;
वहां कोई तो इंतज़ार कर रहा होगा जो हमें रास्ता दिखाएगा,
मुझे अकेले यरदन को पार नहीं करना पड़ेगा।

वहां एक होगा, कोई तो इंतज़ार कर रहा है जो मुझे रास्ता दिखाएगा,
मुझे यरदन को पार नहीं करना पड़ेगा...

654 वे सारे जिनके पास आशा है, अब अपना हाथ ऊपर उठाएं जब आप अपने सिर को उठाते हैं।

मेरे पास नहीं होगा...

अब बस उसकी आराधना करें। संदेश समाप्त हुआ है। क्या आप खुश नहीं है? परमेश्वर ने शपथ खाई कि वह नहीं... परमेश्वर ने शपथ खाई कि वह आपसे वहां पर मिलेगा।

यीशु मेरे सारे पापों के प्रायश्चिता के लिए मरा;
जब अंधकार मैं... (आप क्या कहते हैं? डंक चला गया है।) वो मेरा इंतज़ार कर रहा होगा,
मुझे अकेले यरदन को पार नहीं करना पड़ेगा।

अक्सर मैं त्यागा जाता हूँ, और थक जाता हूँ...

अब केवल उसकी आराधना करो।

... ऐसा दिखाई देता है कि मेरे सभी मित्र जा चुके है;

क्या आप कभी उस स्थान पर पहुंचे है?

लेकिन वहां एक विचार है जो मुझे प्रोत्साहित करता है... (प्रतिज्ञा क्या थी?) ... मेरे ह्रदय को आनंदित कर देता है,
मुझे यरदन को पार नहीं करना पड़ेगा...

655 अब, प्रतिज्ञा की संतान, इसे करने के लिए केवल उसकी आराधना करें।

मुझे अकेले यरदन पार नहीं करना पड़ेगा,
यीशु मेरे सारे पापों के प्रायश्चिता के लिए मरा;

अब क्या होता है?

जब अंधकार को मैं देखता हूं, वो मेरा इंतज़ार कर रहा होगा,
मुझे अकेले यरदन को पार नहीं करना पड़ेगा।

जब मैं नदी के पास आता हूं...

आप में से प्रत्येक आ रहा है। वहां आपके सामने एक बड़ी, काली छाया रुकी हुई होती है। यह एक बड़ा द्वार है। आप वहां उसमें से जाते हैं, इन दिनों में से एक दिन, हो सकता है दिन पूरा होने से पहले, हो सकता है इससे पहले आज सुबह कलीसिया समाप्त होती है। आप वहाँ पर जा रहे हो। हर बार जब वह हृदय धड़कता है, तो आप एक कदम और नजदीक होते हैं।

लेकिन जब अंधकार को मैं देखता हूं, वह वहाँ इंतज़ार कर रहा होगा,

उसने कहा कि वो करेगा। उसने शपथ खाई कि वो करेगा।

तब मुझे अकेले यरदन को पार नहीं करना पड़ेगा।

656 हे धन्य प्रभु, आज सुबह हमारे हृदय भरे हुए हैं, उमड़ने के लिए।

657 यह सोचकर कि कब नाड़ी बंद हो रही है, और नर्स आपके सिर के चारों ओर तकिये को दबाने लगती है। और आपके हाथ, आप अब और नहीं हिला सकते। आपके हाथ ठंडे पड़ चुके हैं। आपके बच्चे, आपकी मां, आपके प्रियजन चीख रहे है और रो रहे हैं। वह बड़ा दरवाजा सरर से खुल जाता है, उस ओर। वह प्रतीक्षा कर रहा होगा।

658 दाऊद ने कहा, "यदि मैं अपने बिछौने को अधोलोक में बिछाऊँ, तो वह वहाँ पर होगा।" मुझे इसे अकेले पार नहीं करना पड़ेगा। जब नदी की फुहारें हमारे चेहरे पर उछलने लगती हैं, तो परमेश्वर जीवनरक्षक की नौका लेकर हमें ठीक उसके पार ले जाएगा। उसने प्रतिज्ञा की कि वह करेगा। दाऊद भविष्यव्यक्ता ने कहा, "हां, चाहे मैं मृत्यु की छाया की तराई में होकर चलूं, मैं किसी बुराई से नहीं डरूंगा। तू मेरे साथ रहता है। तेरे सोटे और तेरी लाठी से मुझे शांति मिलती हैं।"

659 प्रभु, आज हम बहुत ही खुश हैं, कि हम प्रतिज्ञा के वारिस में शामिल किए गए थे। आज हमारे भीतर अनन्त जीवन है, क्योंकि हम प्रभु यीशु से प्रेम करते हैं और उस पर विश्वास किया है, और उसके वचन और उसकी शिक्षा को स्वीकार किया। और वह हमें, हमारे विश्वास की मोहर के रूप में, उस पवित्र आत्मा, पवित्र आत्मा की मोहर देता है। हमारे भीतर हमारा विश्वास लंगर किये हुए है। और हालाँकि बहुत सी बार हम अंधकार की छाया में से होकर गये होते हैं, बहुत बार हम सड़क पर ठोकर खा रहे होते हैं, लेकिन हमारा लंगर अभी भी लगा हुआ है। इसमें कुछ तो है, दूर उस ओर, जो यह कहते हुए मार्गदर्शन करता हुआ प्रतीत होता है, कहते हुए, "आगे बढ़ो। हम आगे जा रहे हैं।"

660 परमेश्वर, हमें आशीष देना। हमें आप की आवश्यकता है। जब तक आप हमारे लिए नहीं आते है, तब तक हमें हमेशा वफादार और सच्चा बनाए रखें, हम बिना रुके युगों–युगों तक आपकी स्तुति करेंगे। और उस दिन जब हम धरती पर खड़े होंगे... उसके धन्य चरणों ने अब तक धरती को स्पर्श नहीं किया है। वह वहाँ पर खड़ा होता है, हवा में; और संत और सारे युगो से छुड़ाए हुए, हर घड़ी में से होते हुए, पहला, दूसरा, तीसरा, चौथा, पांचवां, छठा, और सातवाँ, सब उसकी धार्मिकता में वस्त्र पहने हुए खड़े हैं; हम उस राजा के राजा और प्रभुओं के प्रभु को मुकुट पहनाते हैं, और उन छुटकारे की कहानियों को गाते हैं। हमारे दीन हृदय काँप उठेंगे जब हम उसकी ओर देखेंगे जिसने हमसे प्रेम किया और हमारे लिए अपने आप को दे दिया। जबकि हम अप्रिय और पापी थे, मसीह मरा जिससे कि हम बचाए जा सकें। पिता, हम इसके लिए आपको धन्यवाद देते हैं, मसीह के नाम में। आमीन।

661 आप उससे प्रेम करते है? ओह, वह कितना वास्तविक है। क्या आपको ऐसा महसूस नहीं होता जैसे कि आप बस किसी तरह से अपनी बाहों को उसके चारों ओर रखना चाहते हैं? क्या आप बस रेंगते हुए और उसके पैर को छूना पसंद नहीं करेंगे, आप जानते हैं?

662 आप जानते है, फीनिक्स, एरिजोना में कुछ लोगो ने मेरी सभाओं में आकर, कहा, "मैं उसके साथ इस पर बात करना चाहता हूं। मैं कहना चाहता हूं, 'प्रभु, आपने मुझ से प्रेम किया जब मेरा रास्ता बहुत ही धुंधला हो गया था।'" इससे पहले कि हम उस ओर जाये, मैं उससे बात करना

पसंद करूंगा। मैं—मैं उसे देखना चाहता हूं। मैं—मैं—मैं केवल उसे देखना चाहता हूं। यह सोचकर कि मुझे कैसा महसूस होगा, मेरा दीन हृदय किस तरह से काँप उठेगा जब मैं उसे वहाँ पर खड़ा हुआ देखूँगा।

663 मैंने अक्सर सोचा है, "काश मैं उस आवाज को कहते सुन पाता, 'हे सब परिश्रम करनेवालो और बोझ से दबे लोगों, मेरे पास आओ। मैं तुम्हें विश्राम दूँगा।'"

664 मैं सभवत: कभी भी नहीं सुन पाऊँगा जैसे उसने उस समय पर कहा था, लेकिन मैं उसे यह कहते हुए सुनना चाहता हूँ, "यह अंतिम दिन है। तुमने इसे अच्छी तरह से कर दिखाया, मेरे अच्छे और विश्वासयोग्य सेवक, अब प्रभु के उन आनन्द में प्रवेश करो जिसे तुम्हारे लिये तैयार किए गया हैं।" कब से लेकर?

665 "जब से आप बचाये गए हैं? " नहीं भाई।

666 "जगत की नींव डालने से लेकर, जब मैंने तुम्हें देखा, और पहिले से जाना, और अनन्त जीवन के लिये तुम्हें ठहराया," आप तब धन्य हो गए थे। "उन सब को जिसे उसने पहले से जान लिया, उसने बुलाया।" क्या यह सही है? "वे सब जिसे उसने बुलाया, उसने उसे धर्मी ठहराया। जिसे उसने धर्मी ठहराया, उसने पहले ही महिमावंत कर दिया है।" वहां पर आप हैं। उसने हमें पहले से जाना, हमें बुलाया, हमें धर्मी ठहराया, और हम पहले से ही उसके साथ महिमावंत हो चुके हैं, जगत के अंत में, हमारे प्रतिफल की ओर जा रहे हैं। क्या आप खुश नहीं है? निश्चय ही, ये आपको उससे प्रेम करने को लगाएगा। जब आप खुद की सहायता नहीं कर सकते थे, और यहां वो आकर और आपके लिए इसे कर दिया।

667 *धन्य है वह बंधन जो बांधे रखता है,* बहन गर्टी। "मसीही प्रेम में हमारे हृदय को," जबकि हमारे पास अभी यहाँ आराधना की यह छोटी सी संगति है, उसके बाद हम बीमारों के लिए प्रार्थना करने जा रहे हैं। परमेश्वर आपको आशीष दे। आप जिन्होंने आज सुबह मसीह के लिए अपने हाथ उठाए है, अपने आराधना के लिए एक स्थान को ढूंढ़े, उसकी सेवा करने के लिए।

668 अब, आइये हम अब उसकी आराधना करें, जब सभा के लोग, आप सारे मेथोडिस्ट, चर्च ऑफ गॉड, असेंबली ऑफ गॉड, प्रेस्बिटेरियन, लूथरन, कैथोलिक। अब सब मिलकर, आइये हम अब गाये।

धन्य है वह बंधन जो बांधता है
मसीही प्रेम में हमारे ह्रदय को;
कुटुम्बी मन की संगति
ये ऊपर की तरह ही है।

हमारे पिता के सिंहासन के सामने,
हम हमारी उत्सुक प्रार्थना को सामने रखते हैं;
हमारा डर, हमारी आशा, हमारा उद्देश्य एक ही है,
हमारा ढाढ़स और हमारा चिंतक।

जब हम अलग–अलग जुदा होते है,
यह हमें भीतरी दर्द को देता है;
लेकिन हम अभी भी उसमें जुड़े होंगे... (कितने लोग
मेथोडिस्ट, बैपटिस्ट, और सभी है?)
और फिर से मिलने की आशा करते है।

669 क्या यह आपके लिए अच्छा नहीं करता है? आइए हम अब घूमकर और एक–दूसरे से हाथ मिलाएं, जब हम इसे फिर से गाएंगे।

इससे पहले...

हाथो को मिलाये, कोई तो जो आपके पीछे है, आपके सामने है, दोनों ओर।

... सिंहासन,
हम हमारी उत्सुक प्रार्थना को सामने रखते हैं;
हमारा ढाढ़स और हमारा चिंतक।

जब हम अलग–अलग जुदा होते है,

हम एक दूसरे से प्रेम करेंगे।

यह देता है...

क्या चाहते है कि सभा आगे जारी रहे? देखा? ऐसा ही हम सोचते हैं।

... भीतरी दर्द को;
लेकिन हम अब भी ह्रदय से जुड़े रहेंगे, (एक में)
और फिर से मिलने की आशा करते है।

यदि यहां पर और नहीं मिलेंगे, तो उस महान दिन पर हम मिलेंगे।

670 अब, पिता, आज सुबह हमारी आराधना को ग्रहण करें। वचन को लेकर और इसे विश्वासियों के हृदय में बोये। होने पाए कि वे बस यहाँ–वहां डावांडोल होते न फिरते रहे, और आज उठें और कल नीचे गिरें, लेकिन होने पाए ये वचन हर एक विश्वासी के हृदय में उनके विश्राम स्थान को पा सके। इसे जानकर कि, "परमेश्वर ने शपथ ली है, और वहां दो अपरिवर्तनीय बातें हैं। परमेश्वर की अपरिवर्तनीयता, अर्थात्, कि उसके लिए झूठ बोलना असंभव है, कि इस उद्धार के वारिसों की यह पक्की आशा, दृढ़ और मजबूत, और प्राण में लंगर कर सके।" यह जानकर कि, "परमेश्वर ने शपथ खाकर हमसे प्रतिज्ञा की है। एक, वह झूठ नहीं बोल सकता; दूसरा, उसने उसी के ऊपर शपथ ली, कि वह हमें अंतिम दिन फिर से जिलाकर खड़ा करेगा और हमें अनंत जीवन देगा।" जानते हुए, कि, "हमें बुलाए जाने के बाद, कि उसने कहा कि वह हमें दुनिया की नींव डालने से पहले जानता था, और हमें यीशु मसीह के द्वारा बच्चों का लेपालक करने के लिए पहले से ठहराया। और उसने हमें पहिले से जान लिया। उसने हमें बुलाया। और जब उस ने हमें बुलाया, उस ने हमें धर्मी ठहराया।" हम अपने आप को धर्मी नहीं ठहरा सकते, इसलिये उस ने अपने खुद के पुत्र की मृत्यु के द्वारा हमें धर्मी ठहराया। "जिन्हें उसने धर्मी ठहराया, वो पहले से ही महिमावंत कर चुका है।" वचन को पहले ही बोला जा चुका है। और हम बस अपने रास्ते पर हैं, महिमा के अपने रास्ते पर आनन्दित होकर आगे–आगे जा रहे हैं।

671 लोगों को विश्वास दीजिये, और होने पाए कि छोटी–छोटी आदतें और चीजें जो लोगों पर लटकी हुई है, होने पाए कि वे आज सुबह उनसे मुक्त हो जाएं, परमेश्वर के इस वचन के साथ, जो प्राण का लंगर है, स्थिर और दृढ़ हो जाए। वे अपनी आदतों, अपने तुरंत क्रोधित होने से मुक्त हो जाएं। और जो चीजें होती आ रही हैं... जैसा कि पौलुस ने कहा, संदेश के आगे के भाग में कुछ दिनों में, "तो आओ, हर एक रोकने वाली वस्तु, और उलझाने वाले पाप को दूर कर के, वह दौड़ जो हमारे सामने है जिस में हमें दौड़ना है, धीरज से दौड़ सके; विश्वास को पूरा करने वाले और लेखक यीशु मसीह की ओर ताकते रहें, जिसकी उसी प्रकार से परीक्षा हुई, जैसे हमारी होती है, तौभी उस ने पाप नहीं किया।" उसको लुभाने की अनुमति दी गई थी, लेकिन उसने लुभाव पर ध्यान नहीं दिया। और हमें पाप करने के लिए लुभाया जाता हैं, लेकिन कभी भी ध्यान नहीं देते है। क्योंकि जो जीवन हमारे भीतर है वह हमारे अनंत मंजिल का लंगर है, और हम उस

समर्पण को अपने हृदय में थामे रहते हैं।

672 अब, ऐसे बहुत से लोग हैं जिन्हें शैतान ने पीड़ाओ से पीड़ित किया है। हम उनके लिए प्रार्थना करने की तैयारी कर रहे हैं, पिता। होने पाए वे, जब वे आज परमेश्वर के वचन के नीचे से होकर गुजरते हैं... वह बहुमूल्य वचन जिसका प्रचार किया गया है, बाईबल गवाही को दे रही है, परमेश्वर के दूत पास ही खड़े हुए हैं, और महान पवित्र आत्मा, सब के ऊपर है, वचन की गवाही देने के लिये यहां पर खड़ा है। अब, पिता, जब इस सुबह वे प्रतिज्ञा के वचन के नीचे से होकर गुजरते हैं, होने पाए कि वे यहां से चंगे होकर जाएं। कि वे उनकी बैसाखियों को छोड़ दे, कि कुर्सियों को छोड़ दे और—और उनकी खाटों को जिन पर वे पड़े हुए थे, और बस चंगे हो जाये। इसे प्रदान करें, प्रभु। होने पाए कि वे अगली सभा में लौटें जिसमें उन्हें आने की अनुमति दी गई है, या उनकी अपनी कलीसियाओ में, आनंदित होकर, यह दिखाते हुए कि मसीह ने कितने बड़े काम किए हैं। यह हम आपकी महिमा के लिए सेवकाई को कर रहे हैं, यीशु के नाम में। आमीन।

673 मैंने जो वादा किया था उसके लिए मैं क्षमा मांगता हूं, कि आज सुबह हम 7वे अध्याय को लेंगे, लेकिन मैं उस तक नहीं पहुँच पाया। और हमें इसके लिए—इसके लिए यहां थोड़ा समय देना होगा, प्रार्थना पंक्ति के लिए। और अब, आज रात, प्रभु ने चाहा, हम 7वां अध्याय लेंगे, और देखेंगे कि यह मलिकिसिदक कौन था। कितने लोग जानना चाहेंगे? ओह, हम सीधे उसके पास जायेंगे, पता करेंगे कि वह वास्तव में कौन है। और वचन बताता है कि वह कौन है। देखा?

674 और स्कोफिल्ड संस्करण ने कहा कि यह "एक याजक" था। बिना आरंभ या अंत के, यह याजक कैसे हो सकता है? आप देखो, यह याजकगण नहीं था। यह एक मनुष्य था, मलिकिसिदक (एक नाम), एक व्यक्ति।

675 जैसे, ना ही अनादर करते हुए, लेकिन क्रिश्चियन साइंस कहता है कि पवित्र आत्मा "एक विचार" है। और बाईबल ने कहा, "वह, पवित्र आत्मा।" और *वह* व्यक्तिवाचक सर्वनाम है। यह एक व्यक्ति है; ना ही एक विचार। यह एक व्यक्ति है। बिल्कुल।

676 और मलिकिसिदक एक मनुष्य है, एक ऐसा मनुष्य जिसके न दिनों का आरम्भ था और न वर्षों का अन्त है। उसका न तो पिता था, न माता, न वंशावली। और हम पता लगाएंगे कि वह कौन है, प्रभु ने चाहा तो, आज

रात, वचन के द्वारा देखेंगे। क्या आप इसे पसंद करते है? ओह! "तेरा वचन मेरे मार्ग और मेरे पाँव के लिये दीपक है।" ओह!

677 अब, आप कहते हैं, "भाई ब्रंहम, मैं यह बिल्कुल भी नहीं समझता।" न ही मैं समझाता हूं।

678 लेकिन, एक बार, मैं वहां केन्टकी में प्रचार कर रहा था। और कुछ नये–नए लोग आये थे, और कैथोलिक और अन्य लोग थे, जो हो सकता है वचन की गहरी, समृद्ध बातों को नहीं समझ सकते है कि किस तरह से हैं। मैं दिव्य चंगाई पर प्रचार कर रहा था। एक छोटी–सी नंगे–पांव लड़की को लाया गया... वह पंद्रह वर्ष की भी नहीं थी, एक छोटी सी बच्ची थी, और उसे लकवा था। मैंने कहा, "क्या मामला है, बहन, आपकी बच्ची के साथ? "

679 कहा, "इसे झटके लगते है।" वह नहीं जानती कि क्या कहना है, लकवा। वह नहीं जानती थी कि इसे क्या बोलना है।

680 छोटी सी बच्ची ने अपने जीवन में शायद ही कभी एक जोड़ी जूते भी नहीं पहने थे। वो किसी पुरुष की प्रिय थी, नीचे तक लटकते लंबे बाल। मैंने कहा, "क्या आप विश्वास करती हैं? "

681 और उनकी छोटी, स्टील के रंग की भूरी आँखों ने मुझे देखा। उसने कहा, "जी हाँ, महोदय। मुझे पूरा विश्वास है।"

682 मैंने छोटी बच्ची को लिया। और जब मैं इसके लिए प्रार्थना कर रहा था, इसने झटके देना बंद कर दिया। हूं–हुंह। और ये निकल गया, बाहर चला गया।

683 अगले दिन, मैं एक पहाड़ के किनारे गिलहरी का शिकार कर रहा था। मैंने वहाँ पर बैठे किसी व्यक्ति को बात करते सुना, वृद्ध भनभन कर रहे थे। और मैं नीचे की तरफ गया। मैं गिलहरी का शिकार कर रहा था। वे वहाँ बैठे हुए मेरे बारे में बात कर रहे थे, तम्बाकू चबा रहे थे और थूक रहे थे, पत्ते उड़ रहे थे, *इस* तरह से। और अब वे पिछली रात की सभा के बारे में बात कर रहे थे। उनमें से एक ने कहा, "मैंने उस बच्ची को देखा। मैं आज सुबह वहां पर गया था। यह अब भी आज सुबह उसे झटके नहीं आ रहे थे।" देखा? कहा, "वह सच्चा था।" और वह थूक रहा था।

684 और उनके पास पेड़ से टिकी हुई बंदूकें थीं, सो मैंने सोचा कि मेरे लिए अच्छा होगा खुद को ज्ञात करवाऊं। आप जानते है, उनके वहां नीचे झगड़े भी होते थे। तो, मैं वहां चलकर गया। मैंने कहा, "सुप्रभात, भाइयों।"

685 वह बड़ा विशाल व्यक्ति ऐसा लगा कि वो बोलगा, उसके मुंह में तम्बाकू को चबा रहा था, *इस* तरह से, *उस* तरफ से बाहर की तरफ, और बड़ी, लंबी गर्दन थी। और उसने एक बहुत बड़ी पुरानी सी टोपी पहनी थी, जो उसके चेहरे पर खींची हुई थी। उसने यहाँ–वहां देखा और मुझे देखा। उसने टोपी को ऊपर किया और उस टोपी को पकड़ा, उसे झटका, *निगल* गया, जो तंबाकू चबा रहा था उगल लिया, कहा, "सुप्रभात, पास्टर।" देखा? जी हां, श्रीमान। उसने आदर किया। और यह सही है। वो हमेशा इस पर कैसे जीता है, मैं नहीं जानता, लेकिन उसने ऐसा किया।

686 तो, अगली रात, वापस आकर, वहाँ एक व्यक्ति था जो मुझसे थोडा वाद–विवाद करना चाहता था। वह एक ऐसी कलीसिया में जाता था जो दिव्य चंगाई में विश्वास नहीं करती थी। सो, यह एक मेथोडिस्ट कलीसिया थी, जो व्हाइट हिल, केंटकी में थी। सो वह—वह गया... वह बाहर खड़ा हुआ था। उसके हाथ में लालटेन थी। और उसनें कहा, "मैं कुछ कहना चाहता हूं, प्रचारक। मैं इस बात को स्वीकार नहीं कर सकता, क्योंकि मैं इसे देख नहीं सकता।"

687 मैंने कहा, "आप इसे नहीं देख सकते? "

688 उसने कहा, "नहीं।" कहा, "मैं खुद एक बीमार व्यक्ति हूँ। लेकिन," कहा, "मैं इसे देख नहीं सकता।"

मैंने कहा, "आप कहाँ रहते हैं? "

उसने कहा, "वहां उस ओर पीछे बिग रेनॉक्स पर।"

मैंने कहा, "अच्छा, आप घर कैसे जाओगे? "

उन्होंने कहा, "खैर, मैं घर चलकर जा रहा हूँ।"

मैंने कहा, "क्या आप अपना घर देख सकते हैं? "

उसने कहा, "नहीं, श्रीमान।"

मैंने कहा, "आज रात घोर अंधकार है, बादल छाए हुए हैं।"

उसने कहा, "जी हां।"

मैंने कहा, "आप घर कैसे जायेंगे? "

उसने कहा, "इस लालटेन को लेकर।"

मैंने कहा, "ये लालटेन तो दूर तक घर तक रोशनी को नहीं दिखाती।" मैंने कहा, "आप कैसे जाते हो? "

उसने कहा, "ओह, मैं लालटेन को लेकर चलता हूं।"

689 मैंने कहा, "यही है ये। अब आपके पास लालटेन की रोशनी है, और हर बार जब आप *इस* तरह से कदम को बढ़ाते हैं, रोशनी आपके आगे–आगे दिखाती रहेगी। यदि आप चलते रहेंगे तो रोशनी आपके साथ–साथ चलती रहेगी।"

690 और आप आज सुबह ऐसा करें, आप मसीह, उस महान महायाजक को चाहते है, जो आपकी बीमारी, या आपकी पीड़ाओ, या आपके प्राण के लिए बिचवाई को करता हैं। हो सकता है आप इसे नहीं समझ सकते हो। हम नहीं समझ सकते। लेकिन हमें आज्ञा दी गई है "उजियाले में चलो जैसा वो उजियाले में है।" आप उजियाले में एक कदम को उठाएं। और जब आपके पास उजियाला होता है, तो उजियाला पूरे दिन तक चमकेगा। यह आपके सामने के रास्ते को दिखाता रहेगा।

और हम इस भव्य पुराने राजमार्ग पर चलेंगे,
मैं जहां भी जाता हूं बताता हूं,
मैं बल्कि एक पुराने समय का मसीही बनना पसंद
करूंगा, प्रभु,
मैं जो कुछ भी जानता हूं उससे ज्यादा।

क्या उस पुराने गीत को कभी सुना है?

पुराने समय के मसीही जैसा कुछ भी नहीं है,
दिखाने के लिए मसीही प्रेम;
हम भव्य पुराने राजमार्ग में चल रहे हैं,
और हर कहीं हम जाते है बताते हैं,
मैं बल्कि एक पुराने समय का मसीही बनना पसंद
करूंगा, प्रभु,
मैं जो कुछ भी जानता हूं उससे ज्यादा।

691 मैं बस इसे पसंद करता हूँ। तो ठीक है। अब हम बीमारों के लिए प्रार्थना करने जा रहे हैं। हम नहीं... हम यह दावा नहीं करते हैं कि हम बीमारों को

चंगा कर सकते हैं। यदि हम ऐसा करते हैं, तो हम कुछ तो गलत बताते है। यहां हर एक बीमार व्यक्ति पहले से ही चंगा हो चुका है। यही है जो वचन में कहा गया है। "उसके कोड़े खाने से हम चंगे हुए है।" क्या यह सही है?

692 हर एक पापी जो यहाँ है, यदि वहां कोई एक ऐसा है, यीशु जब मरा तब से आपको बचाया गया है। लेकिन क्या आप यहां कभी भी नहीं मरते है, जहां आपका अवसर आपके सामने रखा गया था, कि उसकी उपस्थिति के अंदर आ जाए फिर उसे स्वीकार करने की कोशिश करें। इसे अभी के लिए किया गया है। ठीक अभी आपको इसे स्वीकार करना ही है। यदि आप लहू से उस ओर जाते हैं, तो आप कुछ भी नहीं हैं लेकिन... आपका पहले से न्याय हो गया है, क्योंकि जिस तरह से आपने प्रभु यीशु मसीह के प्रायश्चिता के साथ व्यवहार किया था, उसी से आपका न्याय किया जाता है। देखा? आप... आप वहां खुद का न्याय करते हैं।

693 "इसलिए वह हमारे अपराधों के लिए घायल हुआ था, और उसके कोड़े खाने से हम चंगे हुए थे।" तो, आपको चंगा करने के लिए मेरे पास कुछ भी नहीं होगा। कलीसिया के पास आपको चंगा करने के लिए कुछ भी नहीं होगा। केवल एक चीज जिसके लिए हम प्रार्थना कर सकते हैं, वह यह है कि आपका विश्वास विफल नहीं होगा, कि आप आज सुबह वेदी पर आकर मसीह को अपने चंगा करने वाले के रूप में स्वीकार करें, जैसा कि आपने अपने उद्धारकर्ता के लिए किया था। और बिना किसी... परमेश्वर अद्भुत कार्यो को करता है। वह बड़े चिन्ह को दिखाता है। अंधे, बहरे, गूंगे, हर एक जन, यहां आराधनालय में चंगे हुए हैं। लेकिन चाहे ऐसा हो या न हो, हम इसे किसी भी तरह से स्वीकार करते हैं। बहुत सी बार ये बातें दर्शन के द्वारा होती हैं।

694 तीन या चार रविवार पहले यहां पर कितने लोग थे, जब वो यहां पर आया, वो अंधा और लकवाग्रस्त दोनों था, या असंतुलित नसों के साथ कुर्सी पर बैठा हुआ था? और मैंने घर छोड़ने से पहले, मैंने उसे एक दर्शन में देखा, "कि वहां पर एक मनुष्य होगा, काले बाल, सफ़ेद हो रहे है। उनकी पत्नी आकर्षक दिखने वाली महिला है, जिसकी उम्र लगभग साठ वर्ष की है। वह आकर और रोएगी," और वह मुझसे मांगेगी। "और पीछे आकर और मेरे पति के लिए प्रार्थना करें।" वह ठीक वहां बैठी थी।

695 और मैं वहां पर आया। मैंने यहाँ अपने कुछ भाइयों से कहा, "इसे देखना।"

696 और जब हम वहां वेदी पर गए, तो दूसरे लोगों ने प्रार्थना की थी। जब मैं प्रार्थना करने गया, तो मैं तुरंत चला गया और यहां पीछे आ गया। और उसकी पत्नी उठ खड़ी हुई और बिल्कुल ठीक वैसे ही आई जैसे प्रभु ने कहा था कि वो आएगी। लोग देख रहे थे, यह देखने के लिए कि क्या यह इसी तरह से होगा। यह कभी भी विफल नहीं हुआ। और इसलिए जब वह चला...

697 पता चला, कि इंडियाना के बड्र्सआई में एक व्यक्ति, डॉ एकरमैन, ये वो व्यक्ति था जिसने उसे यहां पर भेजा था; जो एक कैथोलिक है, और उसका लड़का संत मेनराड में मसीही आश्रय में एक याजक है। और डॉ एकरमैन मेरे एक शिकारी साथी है, और उसने उस व्यक्ति को यहां भेजा। और प्रभु ने मुझे एक अश्वेत सिर वाला मनुष्य दिखाया जो उसे भेजेगा, लेकिन मुझे नहीं पता था कि यह कौन था।

698 मैंने कहा, "क्या वो डॉ एकरमैन थे? "

699 उन्होंने कहा, "वो ही थे।" देखा? और फिर वो मनुष्य...

700 मैंने कहा, "यह **यहोवा यों कहता है**।" वहां चलकर गया। मैंने कहा, "श्रीमान, खड़े हो जाये।" दोनों था अंधा और नहीं... वह... उसकी—उसकी संतुलित करने वाली नसें ख़त्म हो चुकी थी। वह खुद को इस तरह से संभाल नहीं पाता था। देखा? वर्षों से ऐसा ही रहा था, मायोस और हर कहीं से होकर आया था। और बस उसके लिए प्रार्थना की, और उसे उठा कर खड़ा कर दिया। वहां वह चला गया, वहां से नीचे उतर कर चला गया।

701 पहले उसने कहा, "मैं आपको देख नहीं सकता।" फिर वह चिल्लाया, "हाँ। मैं देख सकता हूं।" उसकी आँखें वहां खुल गयी, उसके रूढ़िवादी होने पर, उसकी पत्नी, प्रेस्बिटेरियन थी।

702 कुछ लोग सोचते हैं कि "प्रेस्बिटेरियन चिल्लाते नहीं हैं, और रूढ़िवादी।" आपको उन्हें सुनना चाहिए था। निश्चय ही। वे चिल्ला रहे थे और एक–दूसरे को गले लगा रहे थे। वापस आकर और अपनी व्हील चेयर को लिया, और चलकर और बस किसी भी अन्य मनुष्य की तरह सीढ़ियों से नीचे चला गया, जो देख और बोल और—और सब कुछ कर सकता था।

703 एक दिन उसका एक पत्र आया, या फोन किया। मैं सोचता हूं, भाई कॉक्स उसके पास गये थे। कहा, "उसकी आंखों में जलन हो रही थी।" निश्चिय ही। यह नसें है, आँखों से संबंधित नसें विकसित हो रही हैं और जीवन में वापस आ रही हैं, आप जानते हैं, और इसके जगह को ले रही हैं। शाप को हटा दिया गया था।

704 यदि आप प्रकृति को अपना रास्ता बनाने देंगे, यदि कोई भी रूकावट प्रकृति को नहीं लाते है, तब यह—यह पूरा प्रभावित होगा। यदि आपको अपनी बांह के चारों ओर एक डोरी से बाँध देते है, रक्त के बहने को बंद करते है, तो आपका हाथ अंत में बेजान हो जाएगा। अब, क्योंकि, स्वाभाविक रूप से, यह ठीक हो जाएगा यदि आप इसे ऐसे ही छोड़ देंगे। लेकिन किसी चीज ने प्रकृति को रुकावट लाया था। फिर, यदि आप इसे नहीं समझ सकते हैं, तो डॉक्टर के पास इसे समझने का कोई और जरिया नहीं है। केवल दो चीजों के द्वारा वह काम कर सकता है: जो वो देख सकता है, जो वो महसूस कर सकता है। यही एकमात्र चीज है जिसके द्वारा वह काम कर सकता है: वह जो देखता है और वह जो महसूस करता है।

705 यदि वह इसे नहीं देख सकता है, तो आत्मिक होना चाहिए। फिर, वहां केवल एक चीज हो सकती है, एक चीज हो सकती है; हम प्रार्थना करे, ये मसीह उस शाप को हटा देता है, शैतान को दूर कर देता है, और यह सामान्य होने लगता है, स्वस्थ। ठीक हो जाता है, और इसके लिए बस इतना ही है। "मेरे नाम से वे शैतानों को बाहर निकालेंगे।" क्या यह सही है? यह कलीसिया के लिए एक प्रतिज्ञा है। यह सामर्थ की प्रतिज्ञा है। क्या? यह, यह हमारे साथ उसकी उपस्थिति है। अब, क्या बात हमें आज सुबह परिपूर्ण होने को लगाती है, उन चीजों को करे बिल्कुल जैसे उसने की थी, क्योंकि हम अभी भी पर्दे में हैं। समझे? लेकिन हमारे पास वहां कुछ अनुभूति है जो हमें बताती है, "ओह, हाँ।" देखा?

706 और जब आप अपनी चंगाई को स्वीकार करते है, तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि पर्दा क्या कहता है, यह वही है जो वचन कहता है। देखा? ऐसा ही है। ऐसा ही है। और वही—वही—वही वचन हमेशा ही किसी भी चीज़ पर प्रमुख होता है। परमेश्वर का अनन्त वचन!

707 सारा को देखो, उसका गर्भ मर चुका है, वो नब्बे वर्ष की थी, अपने पति के साथ रहती थी जब से वह लगभग सोलह या सत्रह वर्ष की थी, कोई

बालक नहीं था; अब्राहम सौ वर्ष का था। परमेश्वर ने सीधे फिरकर और उन्हें बालक को दे दिया। देखा? क्योंकि, उन्होंने विश्वास किया। उन्होंने उन चीजों को ऐसा बताया जो नहीं थीं, जैसे कि वे थीं। आज सुबह इसी तरह से प्रवेश करें, मित्र।

708 और आज रात, हम उम्मीद करते हैं... यदि आप सभी हमारे साथ संगति करने आ रहे हैं, तो हमें आपको आज सुबह यहां पाकर ख़ुशी होगी। और परमेश्वर आपके साथ रहे। और यदि आप शाम के लिए शहर में हैं, तो हमें आज शाम आपको मलिकिसिदक की इस सभा के बाकी के बचे भाग में देखकर खुशी होगी। और फिर यदि आप नहीं आते हैं, और आपके पास अपनी कलीसिया है, तो आप अपने स्वयं के कलीसिया में जाये। यही—यही आपका कर्तव्य है। यदि आप एक कलीसिया से संबंधित हैं, तो आप वहां जाये। यह बस एक छोटा सा आराधनालय है जहां हम यहां पर इकट्ठा होते हैं और एक दूसरे के साथ संगति करते हैं। अब, प्रभु आपको आशीष दे।

709 और सिस्टर गेर्टी हमारे लिए बजाएगी, *वो महान चंगाकर्ता अब निकट है*। और क्या यहां कोई है जिसके लिए प्रार्थना की जानी है? अपना हाथ उठाये, जो प्रार्थना पंक्ति में आना चाहते हैं, कि मसीह पर अपने विश्वास को रख सकें। तो ठीक है। क्या आप कलीसिया के *इस* तरफ पंक्ति में खड़े होंगे, यदि आप चाहे तो। और क्या वे कुर्सी को थोड़ा सा नीचे खींच लेंगे, भाई, यदि आप चाहें तो, जिससे कि हमारे पास वहां थोड़ा सा स्थान बन सकता है और लोगों को वहां से होकर ला सकते है। *इस* तरफ से आ जाये।

710 और अब हम प्रार्थना करने जा रहे हैं, जब हम गाते हैं। और मैं यहां के प्राचीनों से पूछूंगा, किसी भी संप्रदाय या कलीसिया के हो, चाहे ये कुछ भी हो, यदि आप दिव्य चंगाई में विश्वास करते हैं, तो क्या आप बीमारों के लिए प्रार्थना करने के लिए इस मंच पर मेरे साथ खड़े होंगे? हमें आपके आने में खुशी होगी। कोई भी संप्रदाय, या कोई संप्रदाय, या आप जो कोई भी हैं, हमें आपके होने में खुशी होगी। क्या आप अभी प्रार्थना के लिए आयेंगे? आकर और मेरे साथ खड़े हो जाये।

भाई नेविल, क्या आप तेल के साथ आएंगे।

इब्रानियों, अध्याय छह *3* HIN57-0915M

(Hebrews, Chapter Six 3)

इब्रानियों श्रृंखला की किताब

यह सन्देश हमारे भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में रविवार सुबह, 15 सितंबर, 1957 को ब्रंहम टेबरनेकल, जेफरसनविले, इंडियाना, संयुक्त राज्य अमेरिका, में प्रचारित किया गया। जिसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोइस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बांटा गया है।

HINDI

©2023 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org